



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 25, 1979 (भाद्रपद 3, 1901)

No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 25, 1979 (BHADRA 3, 1901)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या वी आती है जिससे कि यह अध्यग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकरण, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 अगस्त 1979

शुद्धिपत्र

सं. ए. 35014/1/79-प्रशा.०II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-6-1979 में “केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी” शब्दों के स्थान पर “केन्द्रीय सटेनोग्राफर सेवा के ग्रेड ए के स्थायी अधिकारी” शब्द पढ़े जाएं।

एस० बालचन्द्रन
अध्यक्ष सचिव
हृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० मु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं. ए. 19036/1/79-प्रशा.०५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

1—206GI/79

गृहद्वारा, गुजरात राज्य पुलिस के अधिकारी श्री बी० के० शर्मा को दिनांक 16-6-79 के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक के निए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रीवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानियेणालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 अगस्त 1979

सं. ओ० दो० 1056/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल डियूटी ऑफिसर फ्रैड-I) डॉक्टर रामाचन्द्रा दाश ग्रुप मैन्टर बन्नामाब (जम्मू) का त्यागपत्र दिनांक 11 जुलाई 1979 (अपराह्न) में स्वीकृत कर लिया।

सं. ए. 2/18/79-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०)
—राष्ट्रपति, श्री आई० जैसिम्हा, कमाण्डेन्ट सी० आर० पी० एफ० को दो साल की सेवा वृद्धि दिनांक 1-7-79 में मंजूर करते हैं।

(6475)

सं० एफ० 2/30/79-स्थापना (सी० आर० पी० एफ०) —राष्ट्रपति, श्री बी० कुण्डास्वामी, कमाण्डेन्ट सी० आर० पी० एफ० को एक साल की सेवा वृद्धि दिनांक 1-7-79 से मंजूर करते हैं।

दिनांक 3 जुलाई 1979

सं० आर० दो० 130/75-स्थापना—मेजर गुरुदयाल सिंह (अवकाश प्राप्त) ने पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की I सिंगल कार्यालय में सहायक कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार दिनांक 3-7-79 के अपराह्न से त्याग दिया।

सं० आर० दो०-1441/79-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री टी० जी० एल० अर्यर महाराष्ट्र, संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महा-निरीक्षक के पद पर नियुक्ति करते हैं।

2. श्री अर्यर ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महा-निरीक्षक सेक्टर-I, हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 23 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से संभाला।

ए० के० बन्द्योपाध्याय,
सहायक निदेशक प्रशासन

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० 11/1/79-प्रशासन-1-15663—राष्ट्रपति, आनंद प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री अखलक अहमद को दिनांक 23 जुलाई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर, अस्थाई क्षमता में उसी कार्यालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री अहमद का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

सं० 11/34/79-प्रशासन-1-15686—राष्ट्रपति, केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री के० बी० रामस्वामी को दिनांक 26 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर, अस्थाई क्षमता में, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रामस्वामी का मुख्यालय त्रिवेन्द्रम में होगा।

सं० पी०/पी० (35) प्रशासन-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की दिनांक 27 मई, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय के हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पंत की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थं नियुक्ति की अवधि को 31 दिसम्बर,

1979 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पंत का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति श्री पंत को हिन्दी अधिकारी के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थं तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तदर्थं नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रहे किया जा सकता है।

सं० 6/1/74-म० प० (प्रशासन-1)—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित कानूनों अपरेटर की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्थं आधार पर नियुक्ति की अवधि को नीचे कालम 3 में इस कार्यालय के पिछले संदर्भ में दी गई शर्तों पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 तक या अगले आदेशों तक जो भी पहले हो सहर्ष बढ़ाते हैं:—

क्रम अधिकारी का नाम पिछले संदर्भ संख्या और दिनांक सं०

1 2 3

| | |
|-----------------------|-----------------------------|
| 1. श्री आर० एन० तलवार | 6/1/74-म० प० (प्रशासन-1) |
| | दिनांक 21 फरवरी, 1979 |
| 2. श्री आर० एल० पुरी | 10-12-78-प्रशासन-1 दिनांक 3 |
| | दिनांक 3 मार्च, 1979 |

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1979

सं० एम० (49) प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने श्री नारायण नाल मजुमशार, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को 21 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली में उप प्रबंधक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी
संयुक्त निदेशक, प्रशा०

सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 1 (3)-ए०/सी० पी० ई०/79—वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग से स्थानान्तरण होने पर श्री के० सी० भट्टाचार्य, सहायक निदेशक (तदर्थ) को, 2 जलाई, 1979 के दोपहर-

बाद से, अगला आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 1100-1600 रुपये के बेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में विरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी नियक्त किया गया है।

सं० 1 (4)-ए० /सी० पी० ई०/79—मारुति मामलों की जांच आयोग से स्थानांतरण होने पर, गुजरात महालेखाकार के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री जी० नरसिंहन को 30 जून, 1979 के दोपहरबाद से अगला आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 700-1300 रुपये के बेतनमान में सरकारी व्यय आयोग से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 1(4)-ए/सी०पी० ई०/79—महालेखाकार तमिलनाडु के कार्यालय से स्थानांतरण होने पर श्री आर० शीनिवासन, अनुभाग अधिकारी (लेखा) को 19 जून, 1979 के दोपहरबाद से अगला आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर, 700-1300 रुपए के बेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 1(7)-ए/सी० पी० ई०/79—वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग से स्थानांतरण होने पर, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड 'क' के आशुलिपिक श्री आई० पी० पुरी को, 1 जून, 1979 के दोपहरपूर्व से अगला आदेश होने तक सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर, 775-1200 रुपए के बेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

जी० एच० बिजलानी
उप सचिव
सरकारी व्यय आयोग

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 12/722/72-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण केन्द्र, मद्रास के श्री एम० जी० शैपादि, सहायक निदेशक, ग्रेड-II (चर्म/पादुका) को दिनांक 28 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण केन्द्र, मद्रास में ही सहायक निदेशक, ग्रेड-I (चर्म/पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018/272/77-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के श्री टी० के० बंशोपाध्याय, उप निदेशक (रसायन) का दिनांक 26 जून, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

सं० ए-19018(381)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री प्रनिल कुमार दुग्गल को दिनांक 29 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, अंग्रेजी परीक्षण

केन्द्र, नई दिल्ली में उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्ता,
उप निदेशक (प्रशासन)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 1 अगस्त 1979

सं० ई० एस० टी०-1-2(574)/3439—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के निदेशक श्री फिं दि० हरधवाला मेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 जून 1979 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

एम० सी० मुवर्णा,
वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 1 अगस्त 1979

सं० ई० एस० टी०-1(605)/3444—वस्त्र आयुक्त महोदय श्रीमती आणा भीकांत किलोकर को वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई में दिनांक 4-3-1979 से, अन्य आदेश होने-तक, नियमित आधार पर सहायक निदेशक प्रथम श्रेणी (नान-टेक्कनिकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जो० च० हांसदाक,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1979

सं० प्र०-1/1(699)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) श्री एम० के० भट्टाचार्य को दिनांक 9-7-79 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) के रूप में स्थानापन रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० प्र० 6/247(549)—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड III में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री आर० एन० साहा को दिनांक 29 जून 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी अवधियों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड II में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के रूप में स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एन० सहा ने दिनांक 19-6-79 के अपराह्न को निरीक्षण निदेशक (धारु) वर्णपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धारु) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 29 जून 1979 के पूर्वाह्न से पूर्ण तथा निपटान महानिदेशालय (निरीक्षण स्कंध) नई दिल्ली में उप निदेशक निरीक्षण (धारु) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० प्र०-6/247(310)/61—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड III में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) श्री डी० के० दास को दिनांक 29 जून 1979 के पूर्वाह्न से श्रीर आगामी आदेशों तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड II में उप निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एस० के० दास के निरीक्षण निदेशक (धारु) वर्णपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धारु) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 29 जून, 1979 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशालय (धारु) के अधीन दुर्गपुर में उप निदेशक निरीक्षण (धारु) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० प्र०-6/247/(80)/72—उटा नगर निरीक्षणालय में स्थायी उप निदेशक निरीक्षण (धारु) [भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए (धातुकर्म शाखा) के ग्रेड II] श्री जी० पी० गुप्त निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 30 जून, 1979 में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० प्र०-6/247(360)/73-II—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय के अधीन अहमदाबाद में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री के० मुश्तामोनी को दिनांक 31-5-79 (पूर्वाह्न) से उसी मंडल के अधीन अहमदाबाद में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, इंजीनियरी शाखा के ग्रेड III) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री मुश्तामोनी ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 31-5-79 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निदेशक बम्बई के अधीन अहमदाबाद में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ण तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यापार

नागपुर, दिनांक 2 अगस्त 1979

सं० ए०-19012/92/77-स्थाना—श्री एस० सी० श्रीवास्तव स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक

28 जून 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियमित रूप से सहायक रसायन विद्य के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एस० बालागोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० ए०-12026/1/77-सिब्बन्दी I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म पटना के स्थानापन्न सहायक समाचार अधिकारी श्री एम० जे० जोशी को दिनांक 27-7-1979 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक फिल्म प्रभाग बम्बई में छायाप्राहक के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रन, नाथर
प्रशासनकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० ए० 12025/29/78-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० (श्रीमती) उर्मिल अरोड़ा को 30 जून, 1979 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में दत्त शल्य चिकित्सक के पद पर स्थानापन्न अधिकार पर नियुक्त किया है।

सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दत्त चिकित्सक के पद पर नियुक्त होने के कलस्वरूप डा० (श्रीमती) उर्मिल अरोड़ा ने 30 जून, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन दत्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुट्टियाला,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1979

सं० 19025/121/78-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री दुर्गा प्रसाद को इस निदेशालय में जयपुर में दिनांक 30-6-1979 (पूर्वाह्न) से आगले आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19026/1/79-प्र०-III—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर श्री सी० डी० बत्ता, प्रशासन अधिकारी दिनांक 31-7-79 को अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

बी० एल० मनिहार,
प्रशासन निदेशक,
कृते कृषि विषयन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

बम्बई-400 085, दिनांक 6 जुलाई 1979

कार्मिक प्रभाग

सं० नं० 5/1/79-प्र० II/2582—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री संजीव गोविन्दा मपलिगा, स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक प्रशासनिक अधिकारी (पदक्रम रु० 650-960), दिनांक 9 मई 1979 पूर्वाह्न से आगे आदेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/79-स्था० II/2583—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री बदासेरिल अरपराम्पील विजयन मेनन स्थाई सहायक को स्थानापन्न अधिकारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (पदक्रम रु० 650-960) की हैसियत में दिनांक 2 जून, 1979 पूर्वाह्न से आगे आदेश तक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० एम० खानू
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 27 जुलाई 1979

सं० पी०/1115/बी०/स्थापना-J/3616—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने श्री डी० एम० पवार जो इसी केन्द्र के स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 10-5-1979 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

कुमारी एच० बी० शिजयकर
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० न०प०वि०प०/प्रशा०/1(100)/79-एस०/8926—
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता पी० पी० ई० डी० के स्थायी फोरमैन तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० थी पी० एम० एल० नम्बियार को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर

ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 11 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से, अग्रिम आदेशों तक के लिये नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास-600 006, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० एम० आर० पी० य०/200(18)/79-प्रशासन—क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार यूनिट के भंडारी श्री बी० दंडपाणी को उसी यूनिट में तारीख 11 जून 1979 के पूर्वाह्न से 25 जुलाई, 1979 तक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी
क्रय अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560 025, दिनांक 12 जुलाई 79

सं० 10/5(20)/78-सि० ई०प्र०(एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के ड्राफ्टसमैन 'ई०' श्री सी० बालामुद्रम की इंजीनियर 'एस० बी०' के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 31 मार्च, 1979 के अपराह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं।

एच० एस० रामादास,
प्रशासन अधिकारी-I

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० ए०-32013/19/78-बी०ई०—राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के एक सेवा निवृत्त अधिकारी एयर मार्शल जफर जहीर, पी० बी० एम० एम०, ए० बी० एस० एम० की पहली जुलाई, 1979 से 30 जून, 1981 तक दो वर्ष की अवधि के लिए नागर विमानन के महानिदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति की है।

एस० एकाम्बरम्,
उप सचिव

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/1/79-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री बी० एम० खुराना, तकनीकी सहायक, वैभानिक संचार स्टेशन भुवनेश्वर, को दिनांक 26-3-1979

(पूर्वाह्नि) से नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन कुट के प्रभारी अधिकारी के कार्यालय में तैनात किया है।

ह० ल० कोहली,
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/1/78-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री भजनलाल, भंडार सहायक को दिनांक 16 जुलाई, 1979 से और अन्य आदेश होने तक थोतीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय में नियमित आधार पर भंडार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

एस० एल० खण्डपुर,
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1979

सं० 31013/1/77-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 4 जून, 1979 से नागर विमानन विभाग में विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

क्रम
सं० नाम

- श्री के० गणपति अर्यर
- श्री पी० सी० व्यास
- श्री पी० सी० वर्गीस
- श्री के० वी० पी० अर्यंगर
- श्री वी० जी० कर्णडि
- श्री टी० एस० एन० राव
- श्री वी० एम० राय
- श्री एस० भट्ट
- श्री आर० एन० भट्टनागर
- श्री के० एन० बहल
- श्री के० सी० दुग्गल
- श्री आई० एल० तुली
- श्री वी० वी० बग्गा
- श्री आर० जे० युवराज
- श्री एम० के० दास
- श्री एम० एस० जी० के० वेरियर
- श्री पी० के० विसवास
- श्री डी० एन० गुप्ता
- श्री पी० आई० सी० विद्यासागर
- श्री जी० सरकार
- श्री पला लाल
- श्री सी० एम० मैक
- श्री आर० एस० सिधु

| क्रम सं० | नाम |
|-------------|--------------------------|
| 24. | श्री जे० के० शाह |
| 25. | श्री एन० के० त्रिपाठी |
| 26. | श्री वी० के० रजक |
| 27. | श्री एच० एस० राय |
| 28. | श्री वी० राजाराम |
| 29. | श्री एस० एम० दास |
| 30. | श्री एस० एल० सब्बरवाल |
| 31. | श्री जगन नाथ |
| 32. | श्री जी० एस० बुदल |
| 33. | श्री चनन सिंह |
| 34. | श्री एच० डब्ल्य० अम्बलेर |
| 35. | श्री किरण शंकर |
| 36. | श्री एन० एम० बक्षी |
| 37. | श्री एन० एन० नैयर |
| 38. | श्री ज० एन० सिंह |
| 39. | श्री के० पी० वी० मेनन |
| 40. | श्री एस० सी० जोशी |
| 41. | श्री ए० कृष्णामूर्ति |
| 42. | श्री वी० के० रंजन |
| 43. | श्री जे० सी० पारती |
| 44. | श्री डी० वी० के० राव |
| 45. | श्री आर० के० सरीन |
| 46. | श्री एम० एम० सैनी |
| 47. | श्री एस० महार्किंगम |
| 48. | श्री एम० एन० के० मेनन |
| 49. | श्री पी० एस० गुजराल |
| 50. | श्री ए० सी० जोहन |
| 51. | श्री आर० कृष्णामूर्ति |

दिनांक 26 जुलाई 1979

सं० ए० 35018/6/79-ई०—राष्ट्रपति ने आसूचना ब्लूरो के अधिकारी श्री के० के० नागर को दिनांक 20-7-1979 (पूर्वाह्नि) से एक वर्ष के लिये नागर विमानन विभाग के नागर विमान सुरक्षा संगठन में प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहायक निदेशक (वेतनमात्र रु० 1200-1800 तथा रु० 300/- प्रति माह विशेष वेतन) के पद पर नियुक्त किया है।

वी० वी० जोहरी
सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1979

सं० ए० 32013/8/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन महायक तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से छः माह के लिये अश्वा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी

के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने स्टेशन पर तैनात किया है:—

| क्रम सं० | नाम | मौजूदा तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्यभार संभालने की तारीख |
|----------------------|---------------------------------|---|---|---------------------------|
| 1. श्री एम० एल० धर | केन्द्रीय रेडियो स्टोर | केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली | केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली | 30-6-79 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री एस० डी० बंसल | वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली । | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली । | 30-6-79 (पूर्वाह्न) |
| 3. श्री के० रंगचारी | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास । | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास । | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास । | 7-7-79 (पूर्वाह्न) |

गिरधर गोपाल,
सहायक निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 3 अगस्त 1979

सं० 1/311/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० पाएस को बिल्कुल तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली जगह पर 1-5-79 से 30-6-79 तक की प्रवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/365/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एन० पी० भारद्वाज को 3 मई, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/100/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मुख्य कार्यालय बम्बई के स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री एन० जी० राजन को 2 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

समाहर्तालिय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क
भुवनेश्वर, दिनांक 31 मई 1979

सं० 5/79—पदोन्नति होने पर श्री शारत्चन्द्र रथ, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क निरीक्षक (सीनियर ग्रेड), ने सम्बलपुर हैडक्षार्टर्स में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क श्रेणी 'ख' पद का कार्यभार दिनांक 27-3-79 अपराह्न में ग्रहण किया।

एच० वुमखो यांग,
समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क,
भुवनेश्वर

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1979

सं० 23/2/77-ई० सी०-२—के० लो० नि० वि० के निम्न-लिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 जुलाई, 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए हैं:—

| अधिकारी का नाम | वर्तमान पदनाम |
|----------------------|---|
| 1. श्री ए० पी० साथे | अधीक्षक इंजीनियर (सतर्कता) नि० वि० नई दिल्ली । |
| 2. श्री के० सी० काकू | निर्माण सर्वेक्षण, बम्बई केन्द्रीय परिमण्डल सं० 1, के० लो० नि० वि०, बम्बई-१ |

2. सेवा निवृत्त होने के नोटिस की स्वीकृति होने पर श्री पी० पी० गोयल, निर्माण सर्वेक्षक (विद्युत), दिल्ली केन्द्रीय विद्युत परिमण्डल सं० 6, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली 17-7-1979 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

बी० आर० रत्न
प्रशासन उप-निदेशक,
कृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० 1/164/69-ई० सी०-९—इस विभाग के स्थानापन्न श्री पी० एस० कटारिया, वास्तुक वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31 जुलाई, 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 2 अगस्त 1979

सं० 24(28)/69-एस० 2(ई० सी०)-5—इस विभाग के श्री पी० सी० रायजादा, श्रम अधिकारी, वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31 जुलाई, 1979 (प्रपराह्न) को सेवा नियुक्त हो गए।

सं० 33/12/73-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री कृष्ण कुमार को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/- रुपये प्रतिमाह वेतन पर सामान्य शर्तों पर 2-7-79 (पूर्वाह्न) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा युप-ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री कृष्ण कुमार 2-7-1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

कृष्ण कान्त
प्रशासन उप निदेशक

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 31 जुलाई 1979

सं० 6/5/78-प्र० 2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्थ तौर पर नियुक्त करते हैं:—

| | |
|------------------------------|---------|
| 1. श्री वी० के० चड्डा | 10-7-79 |
| 2. श्री के० के० भट्टाचार्य-I | 25-6-79 |
| 3. श्री ए० के० सेठी | 10-7-79 |
| 4. श्री धर्म सिंह | 16-7-79 |
| 5. श्री लाल सिंह | 16-7-79 |

सतोष विस्वास
प्रब्रह्म सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० 1665/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर के० सेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धरम चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० 1793/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धरम चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राव बहादुर एस० वी० गोविंद-राजन ब्रदर्स एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० 563/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राव बहादुर एस० वी० गोविंदराजन ब्रदर्स एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विजयनगर मैन आनर्स एसोसिएशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० 1435/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विजयनगर मैन आनर्स एसोसिएशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रीकृष्ण इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 1227/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में यह एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्रीकृष्ण इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निस्टी फार्म एंड फार्म प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 2129/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि निस्टी फार्म एंड फार्म एड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री गायत्री चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 1647/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री गायत्री चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भवानी होसैरिस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 587/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भवानी होसैरिस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० डी० सी० (मैसूर) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 580/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एम० डी० सी० (मैसूर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भक्ती ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 2090/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भक्ती ट्रेडिंग एण्ड चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निस्टी फार्म एण्ड फार्म एंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 2130/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निस्टी फार्म एण्ड फार्म एंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कनज अल्लाह एक्सपोर्ट प्रा० लि० के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 2146/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कनज अल्लाह एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लाइवास प्रा० लि० के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 469/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लाइवास प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एम० एन० हाट काईल स्प्रिंग्स प्रा० लि० के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 2666/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एस० एन० हाट काईल स्प्रिंग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अल्ट्रा मेटल इंडस्ट्रीज प्रा० लि० के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 1763/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अल्ट्रा मेटल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दर्शात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 2230/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रिस्टेज क्रौन कार्क प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 1271/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वेस्ट कोस्ट फारेस्ट ट्रस्ट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 1852/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1966 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेरी लैड फैनान्सियर्स एण्ड चिट फंड स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 2775/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि यूनीक लसूस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई, 1979

सं० 2231/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इ० जी० पॉल इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई, 1979

सं० 2495/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि संगम एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 2933/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि माटकोनस इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 418/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इन्डस्ट्रीयल एजेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 1447/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दादाराईस फ्लोरएण्ड आइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 2483/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वेस्ट कोस्ट फारेस्ट ट्रस्ट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 1145/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कामत एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 1764/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रैमेक्स मोटर कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 2365/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हॉटल सारेश प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स नन्दलाल कॉर्पस लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 23 जुलाई 1979

सं० एस० श्रो० 463/916(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स नन्दलाल कॉर्पस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उडीसा सेविंग्स एण्ड फाइनान्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं० एस० श्रो० 738/1976(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर

उड़ीसा सेविस एण्ड फाइनान्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

हाँगो प्रधिनियम, 1956 और ब्राइट फ्यूचर फाइनान्स (चिट) एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं. एस०ओ० 741/1979(2)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ब्राइट फ्यूचर फाइनान्स (चिट) एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 और कानारा फाइनान्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं. एस०ओ० 739/1980(2)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर कानारा फाइनान्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 और हिरा खन्ड एन्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं. एस०ओ० 512/1983(2)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिरा खन्ड एन्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 और जगन्नाथ मिनेरालस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं. एस०ओ० 683-1985(2)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर जगन्नाथ मिनेरालस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, के इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कार्यालय आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं. एफ० 48-एडी(एटी)/79-1. श्री वाई० बाल-मुम्रमनियम, अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई जिन्हे आय-कर अपील अधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से तीन महीने के लिए अर्थात् 1-3-1979 से 31-5-1979 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 30 मार्च, 1979 की अधिसूचना अमांक एफ० 48-एडी(एटी)/1978 भाग II को अब उसी क्षमता में आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर श्री और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री वाई० बाल-मुम्रमनियम, को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेंगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्रत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेंगी।

2. श्री एस० वी० नारायणन्, वरिष्ठ आशुलिपिक, आय-वर अपील अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हे आय-वर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से तीन महीने के लिए अर्थात् 1-3-1979 से 31-5-1979 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 30 मार्च, 1979 की अधिसूचना अमांक एफ० 48-एडी(एटी)/1978 भाग-II, को अब उसी क्षमता में आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर श्री और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एस० वी० नारायणन् को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेंगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्रत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेंगी।

3. श्री निरंजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली जिन्हे आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-3-1979 से 31-5-1979 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिये, इस कार्यालय के

दिनांक 30 मार्च, 1979 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-एडी (एटी)/1978 भाग II को अब उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर आय-कर अपील अधिकरण अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में सहायक पंजीकार के पद पर और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियमित तदर्थ आधार पर है और यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षण किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

4. श्री एम० के० इलवी, जो आय-कर अपील अधिकरण, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक हैं, जिन्हे आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-3-1979 से 31-5-1979 तक कार्य करते

रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 30 मार्च, 1979 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-एडी (एटी)/1978 भाग II को अब उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियमित तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० के० इलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षण किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

पी० डी० माथुर,
आध्यक्ष
आय-कर अपील अधिकरण

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आदा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 79

निदेश सं० 456-ए/कानपुर —अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269 व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 118/272 है तथा जो कौशलपुरी कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-11-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) प्रभारण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या इसी बन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर ग्रामनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः मन, उक्त अधिनियम की आदा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आदा 269-व (1) के उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्याम लाल बल्द निहाल निवासी 103/208 कसलगंज, कानपुर

(अन्तरिक्ष)

(2) श्रीमती राधारानी धर्मपत्नी श्री प्राणनाथ निवासिनी 102/207 हॉ० कौशलपुरी, कानपुर

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना आदा करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिंकित में किए जा सकेंगे।

एप्पेलिकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रह सम्पत्ति नम्बर 118/272 कौशलपुरी कानपुर में 80,000/- रुपए की बच्ची गई।

भ० च० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक: 18-6-79

मोहर:

प्रध्यप शाई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 79

निदेश नं० 503-ए/देहरादून—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वक्त्र अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट है तथा जो लक्ष्मन माडल टाउन देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) दोनों ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवि० में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:-

(१) प्रस्तरण से कुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दावित्व में कमों कर्म वा उससे बचते हो सुविधा के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी प्राप्त की बाबत, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थीत :-

(1) श्रीमती संतोष आनन्द पत्नी श्री डी० एन० आनन्द निवासी ए-12 नूरेक नदिर नई दिल्ली -28
(अन्तरक)

(2) श्री विनोद सखिरी तथा प्रमोद सखिरी निवासी 1-ए रेस कोर्स, देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्त व्यक्ति द्वारा, भ्रोहस्ताकारी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका भेत्रफल 1382.35 स्क्वेयर मीटर में स्थित लक्ष्मन माडल टाउन देहरादून में 50,000/-रुपए का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 18-6-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जून 1979

निदेश नं० 627-ए/मेरठ-अतः भुमि भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि इसावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 130, 119 है तथा जो ग्राम खालिदपुर में है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; औरथा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलाप (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

(1) श्री बलवीर सिंह पुत्र हरदेव सिंह निं० खालिदपुर पर: हस्तिनापुर तह: मवाना (मेरठ)

(अन्तरक)

(2) श्री सुदेशपाल, जीत सिंह पुत्र संत सिंह व चौपाल सिंह, धर्मपाल सिंह पुत्र फूल सिंह ग्राम खालिदपुर पर: हस्तिनापुर तह: मवाना (मेरठ)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए रायेवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के मंबद्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तापीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य की द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर $\frac{130 \text{ अ}}{14+3}, \frac{119}{4/4}, \frac{130 \text{ बा}}{1\frac{1}{2}/2+17}$

ग्राम खालिदपुर पर: हस्तिनापुर तह: मवाना जिला मेरठ में 71,000/- रुपये की बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 19 जून 1979

मोहर :

प्रकरण नं. ३०८० ई० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निरेश नं. 476-ए/जी० बाद/78-79—ग्रन्त: मुझे भ० च०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'डक्टर अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 वा
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि इथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में
और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-11-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिष्ठल के लिए अस्तित्व की पर्दी है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल के पश्चात् प्रतिकृत से
विविध है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जाया प्रतिष्ठल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणण लिखित में वास्तविक कृप से
इच्छित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी अन्य अन्य आस्तियों को;
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: आव, उक्त अधिनियम की आरा 269 वा के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की आरा 269 वा की उचावारा (1)
अधीन लिखित अधिकारी अवैत :—

3-206GI/79

(1) श्री संतोष शर्मा पुढ़ी इयामलाल शर्मा पत्नी
महेशचन्द्र सूरजकुमार रोड, मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू सक्सेना पत्नी प्रजय कुमार सक्सेना
सी-7 सेक्टर नं. 23 लारेन्स रोड नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के उच्चन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमाणीकृत

ग्रह सम्पत्ति स्थित अशोकनगर, गाजियाबाद में 86,000/-
रुपए का बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 6 जुलाई 1979
मोहर :

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश नं० 490-प/फ० नगर—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की म० तथा जो मैं
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानसंथ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 24-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविष्टियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विश्वामी पत्नी श्याम मिह निं० खतौली
तह० जानसंथ जिला मुजफरनगर

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाण चंद्र, रमेशचन्द्र पुत्र दीप चन्द्र व किरोडी
पत्नी दीपचन्द्र, पुष्पा देवी पत्नी कैलाणचन्द्र व मणिता
पत्नी रमेश चन्द्र निं० काशीराम खतौली तह० जानसंथ
जिला मुजफरनगर

(अन्तरीति)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्वाने के पद्धति में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस प्रवाग के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस प्रवाग के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
हिस्से प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में रिए जा सकेंगे।

राजीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में विद्या
गया है।

प्रत्यक्षी

एक मकान पक्का जिसमें दो कमरे पछवा दो कमरे उत्तर,
सामने वरामदा तथा कोठरी पूरव सामने एक कोठा एक बैठक
स्थित खतौली जिला मुजफरनगर में 56,500/- रुपए का बेचा
गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 6 जुलाई 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निरेण नं० 537/प्रवृत्ति/एटा/78-79—अतः मुझे भ० च०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० 822, 823-824 व 825 तथा जो महता
पार्क रोड एटा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में आँग
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के वार्यालय
एटा में, रजिस्ट्रीकर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 16-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित स वास्तविक रूप में कायित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मरकार बहादुर गुरहा पुत्र श्री भोला नाथ गुरहा
निवासी एटा हाल आयनगर कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द प्रकाश जैन पुत्र गुरु दयाल जी जैन निवासी
मैत गंज एटा परं पटा सकोट जिला पटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवादिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदृस्तावती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राज्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही भव्य होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति धनया नं० 822-823-824-825 जो कि
महता रोड एटा में स्थित है 30000रुपए में बेची गई ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6 जुलाई 1979
मोहर।

प्रकृष्ट प्राइंटी टी. एन. एस. —————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश सं. 548/अर्जन/मथुरा/78-79—ग्रत: मुझे भ० च०

चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पारावाले 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), और धारा 269-व के प्रधीन सम्बन्धमें प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. नं. 1431 है तथा जो चौकी वाग बहादुर सिंह रोड़ मथुरा में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीर्ड प्राधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीर्ड ग्रंथालय प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-11-78 को

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के मिए तय पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में व्याख्यिक फर से नक्षित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या अन्य ग्रास्तियों की जिम्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा या, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० सी० जेही पुत्र एथ० एम० जेही निवासी गोखले रोड़ विशाखापत्नम (आनंद है वजीपत्र मुख्तार) श्रीमती पद्मा रानी जेही पत्नी आर० सी० जेही निं० गोखले रोड़ विशाखापत्नम्

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या देवी पत्नी श्री सोहन लाल व श्रीमती उमिला देवी पत्नी परसोत्तम चन्द निवासी म० न० 5 रोशन गंज मथुरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी व्याख्या :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

ग्रथल संपत्ति नं. 1431 जिसका क्षेत्रफल 585.36 वर्ग मीटर है जो कि चौकी वाग बहादुर सिंह रोड़ मथुरा में स्थित है। 7000/- रुपये में बेची गई।

भ० च० चतुर्वेदी

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6 जुलाई 1979

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश नं० 576/अर्जन/सहारनपुर/78-79—प्रतः मुझे भ०
च० चतुर्वेदीप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिस की स० नथा जो ग्राम पुर्णेन में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-
1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निकाल नैसर्विक रूप से नियत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः :—(1) श्रीमती भगवती विधवा श्री रतन सिंह त्यागी निवासी
ग्राम पुर्णेन डा० कोटा परगना हरोड़ा जिला
महारनपुर।

(अन्तरक)

(2) सरदार मलकीत, मिह पुत्र स० बरयाम सिंह व
सरदार निर्मल मिह व स० बलदेव सिंह व स० जसवन्त
सिंह पुत्रगण स० मलकीत सिंह व कुलवन्त सिंह व
दयाल सिंह नावालिग पुत्रगण भ० मलकीत सिंह निवासी
ग्राम दयालपुर डा० द्वास तह० फिलोर जिला
जालन्धर (पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के
लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रचल संपत्ति सं० न० 822, 823, 824, 826, 827, 829,
830, 831, 832, 841, 853, 854, 857, 858, 865,
866, 890, 891, 892, 893 कुल रकमा 33 वीधा
ग्राम पुर्णेन पर० हरोड़ा त० जि० सहारनपुर में स्थित है जोकि
90000/- रुपये में बेची गई है।भ० च० चतुर्वेदी,
सकाम प्रायिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरदिनांक: 6 जुलाई 1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश नं० 706/अर्जेन/कमीज/78-79—अतः मुझे
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

ओर जिसकी सं० सं० 275 है तथा जो कन्दोराली वांगर में स्थित
है। (ओर इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में ओर पूर्ण स्वप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कमीज में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-11-
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य प्राप्तियों
को, जिन्हें मार्तीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पातः—

(1) श्री शिवरतन लाल व मुरेशचन्द्र व गनेश चन्द्र पुनर्गण
बनवारी लाल मोहनला पटकाना डॉ कम्बोज परगना
व तह० कनौज जिला फलखाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री मो० इस्लाम व जोहरुन इस्माल निवासी मो०
हाजी गंज पर० त० प०० कम्बोज जिला फलखाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के प्रध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति सं० 275 रुपया 4 एकड़ 6 दिसम्बर
जो कि मौजा कन्दोराली में स्थित है 26000 रुपये में बेची गई
है।

भ० च० चतुर्वेदी
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6 जुलाई 1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश सं० 715/सहारनपुर/78-79—अतः, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 14/1352 है तथा जो मो० किशनपुरा ग्राम्यकर नाजपतनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य पासितियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री ग्रीष्म प्रकाश पुत्र नन्दनाल मो० किशनपुरा सहारनपुर हाल 428 बेगम बाग, मेरठ (अन्तरक)

2. श्री श्वेत दाम मिगलानी पुत्र श्री भगवान दाम मिगलानी निवासी मो० किशनपुरा, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रचल सम्पत्ति सं० 14/1352 मोहल्ला किशनपुरा, मारुफ नाजपतनगर में स्थित है जो कि 65000/- रुपए में बेची गई है।

भ० च० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 6 जुलाई 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निवेदा सं० 724/अर्जन/कोल/78-79—अतः, मुझे, भ० च०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सभाप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5/164 है तथा जो ईमानपुर कालोनी
बघादेवी शहर कोल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
अलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 29-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्नरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उन्नतरण
में मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अविनायों, अर्जित:—

1. श्री अमर नाथ पुत्र श्री हरदेव प्रसाद व श्रीमती
डौरोदी अमरनाथ प्रसाद पत्नी श्री अमरनाथ प्रसाद
निवासी बघा देवी शहर कोल, अलीगढ़
(अन्तरक)

(2) श्री डायमन्ड फैलवुश पुत्र श्री के० जी० फैलवुश
श्रीमती लिली जरीन डायमन्ड फैलवुश धर्म पत्नी
श्री डायमन्ड फैलवुश निवासी बघा देवी शहर कोल,
अलीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति संख्या 5/164 ईमानपुर कालोनी, बघा देवी
शहर कोल, जिला अलीगढ़ में स्थित है जो कि 49000/- रुपये में
बेची गई है।

भ० च० चतुर्वेदी
सभाप्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6 जुलाई 1979
सोहर :

प्रस्तुत प्राई. दो० ए० १००

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश नं० 725/प्रजनन/मथुरा/78-79—ग्रन्त: मुझे, भ०, च० चतुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्भालि, त्रिमात्र वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और

और जिसकी सं० 10 ए है तथा जो राधा नगर मथुरा में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याप की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी व्याप या हिसी धन या अथ आमिन्यों को, जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित अवक्षियों, प्रदृष्टि:—

4—206 GI/79

1. श्री नू. ताल मेहमा युव थी लिया नामाल निवारी पंजा मार्केट कम्बा हाथरम, जिला अलीगढ़ हाल राधानगर, मथुरा
(अन्तरक)2. श्री गमन्द गिल पुत्र उरमेश गिल लियागी हाल राधा नगर, मथुरा
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य अवक्षिय द्वारा, अवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अभ्य द्वारा, जो उस अध्याय में शिया गया है।

अनुसूची

ग्रन्त समानि संख्या 210 ए जोकि राधा नगर मथुरा में स्थित है 47000 रुपया में बेची गई है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6 जुलाई 1979

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०-

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रामन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक ६ जुलाई १९७९

निदेश स० ७४०/ग्रामन/कानपुर/७८-७९—अतः, मुझे, भ०
च० चतुर्वेदी,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी स० 117/८८ वी है तथा जो पुराना काकादेव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूण्ड्रप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जहाँ भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

१. श्री रघुनाथ मिहू पुत्र कल्लू मिहू निवासी मकान
नं० ११७/८८-वी काकादेव कानपुर
(अन्तरक)२. श्री महादेव शुक्ल पुत्र कालीचरण शुक्ल मौजा
महेश भारी परगना जिला गोन्डा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रामन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रामन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति संख्या 117/८८-वी जोकि पुराना काकादेव में स्थित है, 26000/- रुपये में बेची गई है।

भ० च० नतुर्वेदी
मकाम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रामन रेंज, कानपुर

दिनांक : ६-७-७९

मोहर :

ग्रन्त: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रख्यात श्री ई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश नं० 752/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की भ० नं० 83/502ए है तथा जो अनुसूची में वर्णित है और इसमें उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे दह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित से वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या उसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती दाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मो० मुसलिम खां पुत्र युसुफ खां इत्यादि निवासी साकिन हाजी गंज कस्बा कल्लोज जिला फर्रुखाबाद । (अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल मजीद सिटीकी पुत्र बबू मियां सा० 91/293 रेडीमेड मार्केट वेक्ट गंज कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्लेसः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोक्षताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति संख्या नं० 88/502ए का 236/243 भाग रक्वा 395 वर्ग गज जो कि कानपुर में स्थित है 44000 रुपये में वेची गई है।

भ० च० चतुर्वेदी,
समक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 6 जुलाई 1979

मोहर :

प्रक्षेप ग्राइंड टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश नं० 855/अर्जेन/देहरादून/78-79—अतः मुझे भ०
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम पारिकारी को, यदृ विष्वाम करने का आरा
है कि स्थावर अभानि, निपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खमगा नं० 3957 मि० है तथा जो बेस्ट
होप टाउन पछाबा में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 23-11-78

को ग्रूबॉक्स मम्पति के उचित बाजार पूर्व से कर के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे य० विष्वाम करने
का कारण है कि यथाग्रूबॉक्स मम्पति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल ५, एंड दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और उनका (भरा/रु०)
और अभानि (अन्तरितियों) का दीन ऐसे अनुसंधान के द्वारा
तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरित
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरित से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें वचने से सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे मारताय माद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित हारा प्रकट नहीं किया
गया या यो किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन्त निम्नति संख्या 3957 मि० जिसका क्षेत्रफल
2.82 एकड़ है जोकि मौजा बेस्ट होप टाउन पछाबा जिला
देहरादून में स्थित है। 26640/रुपये में देवी गई है।

भ० च० चतुर्वेदी,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जेन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्ननिम्नित अन्तरितियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री सुल्तान सिंह व श्रीमती
गीलवती विधवा सुल्तान सिंह निवासीगण आम
जस्तावाला परगता पछवा जिं देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री जिशान अहमद पुत्र श्री रिजवान अहमद निवासी
चौक फरोशान जिला सहारनपुर।

(अन्तरिती)

जो यदृ सूचना आरी करके पूर्वोक्त मम्पति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त मम्पति के अंतर्न के सम्बन्ध में होई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजवाच में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्ताकरण के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

प्रतिक्रिया

दिनांक: 6 जुलाई 1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी.एस.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वां (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश नं० 856/अर्जन/देहरादून/78-79—अतः मुझे भ०
च० चतुर्वेदीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आरा
269वां के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि प्यावर मंत्रित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रधिक हैऔर जिसकी सं० नं० 3957 है तथा जो वेस्ट होप टाउन पछवा
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूल्यी में और पूर्ण स्पै भै
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
दिनांक 23-11-78 कोपूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकल के निः प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्यावूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्थह
प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरक) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में आनंदिक
रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के सिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वर्ता या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;परा। पर, उक्त अधिनियम की आरा 269वां के अन्त-
सरण में, मेरे, उक्त अधिनियम की आरा 269वां की उपचारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र सुलतान राम व श्रीमती शील-
वती विश्वास सुलतान राम व श्रीमती शीलवती विश्वास ग्राम जम्मावाला
परा० पछवा दून जिला देहरादून

(अन्तरक)

(2) कुमारी बदरे मुनीर एवं कुमारी अरशे मुनीर पुत्री
श्री रिजवान अहमद तिबासीगण चारु करोमान जिला
महारानपुर

(अन्तर्गती)

को यह सूचना आरो करने पूर्वान्त समाप्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के पंक्तियों कोई भा आश्रेष्ट:—

(क) इस पूर्वता के राजावत में प्रकाशन की तारीख भै
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भोवर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजावत में प्राप्ति की तारीख से
45 दिन के भोवर उस व्यावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति संख्या 3957 जिसका क्षेत्रफल चार एकड़
है जो कि वेस्ट होप टाउन पछवा जिला देहरादून में स्थित है 37800
रुपयों में बेची गई।भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6 जुलाई 1979

मोहर:

प्रकृपा माई० टी० एन० एम० ----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश नं० 858/अर्जन/देहरादून/78-79—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर गत 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 186 है तथा जो राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है (आगे इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पवर्त्य प्रतिशत प्रधिक है और भवतरक (भवतरकों) प्रौढ़ प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भवतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भवतरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) भवतरण से हुई किसी प्राप्त की वापत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या ग्रन्थ पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्ति वाली प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था जिसे छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति:—

(1) श्री एल० जे० जानसन व वी० ई० जानसन निवासी मेन रोड बादूट फील्ड बंगलौर साउथ तालुक करनाटक

(अन्तरक)

(2) डा० श्रमला चौधरी निवासी 186 राजपुर रोड देहरादून व श्री श्रमला चौधरी मार्केट वासर कालेज पोध कीपसी न्यूयार्क अल 186 राजपुर रोड देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सिये लायंबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविकल्पों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ अधिकत द्वारा घोषोद्धस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रबंधोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में यथा परिभाषित है, वही प्रबंध होगा जो उस ग्रन्थाय में विद्या वर्ण है।

ग्रन्ति

अचल सम्पत्ति संख्या 186 जोकि राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है 1,25,000 रुपये में बेची गई है।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 6 जुलाई 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी•एन•एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई 1979

निदेश नं० 1209/अर्जन/हमीरपुर/78-79—अतः मुझे, भ०
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 818 है तथा जो इंगोहटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हमीरपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अनुसरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों पर्वातः—

(1) श्रीमती सतन उर्फ ससन वेदा श्री जगन्नाथ निवासी
ग्राम इंगोहटा पोस्ट खाम परगना सुमेरपुर त० जि०
हमीरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री उमेश चन्द्र व वावू गम व शिनेश कुमार पृवगण
श्री श्याम नाल निवासी गण ग्राम परगना पोस्ट परासन
परगना कालपी जिला जालौन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य अविक्षियता द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकें।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति संख्या 818 जोकि ग्राम इंगोहटा परगना सुमेरपुर त० जिला हमीरपुर में स्थित है। 60,000/- रुपये में बेची गई है।

भ० च० चतुर्वेदी,
संसद प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक । 6 जुलाई 1979

मोहरः

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ओम प्रकाश पोद्दार

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री तरुण कुमार गुह

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मई 1979

निर्देश सं० ए० मी०-११ रेज-IV/कल/1979-८-०—यतः
मुझे, एम० के० दामगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पंति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिम्की मं० एलाट मं० 243 है तथा जो ब्लाक-ए, लेक टाउन, नौजा—पानिपुकर, जिला—24 परगना

में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यालयों मुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकार में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ह) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

एलाट मं० 243, ब्लाक-ए, लेक टाउन नौजा—पानि पुकर, जिला—24 परगना स्थित 5 कट्टा 6 छटांक जमीन के सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील सं० 5329 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

(ब) ऐसी निपो आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एम० के० दामगुप्ता,
सकारा प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता ।

ग्रन्त: श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :

दिनांक : 2 मई 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी. एन. एम. -

(1) श्री प्रवीण कुमार राय

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संघीयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 15 जून 79

निदेश मं. ए. मि. 31/रेज-IV/कल. 0/1979-80—यतः
मुझे, एम. के० दासगुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. 74 (पुराना नं. 64) है तथा जो वि० टी०
रोड़ कलकत्ता-56 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आरोग्य में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 20-11-1978।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
क्रम के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्रम से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और प्रन्तरण (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के
बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कवित नहीं
किया गया है :—(क) प्रन्तरण में हूई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या(ख) ऐसो किसी आप या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित वारा प्रकाट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

74 (पुराना नं. 64) बिंटी० रोड़, कलकत्ता-56 में स्थित
7 का० 1 छ० 15 स्को० फु० जमीन का अविभाजित आधा हिस्सा
के सब कुछ जैसे नं. 1978 का दलील सं. 6261 में और पूर्ण
रूप में वर्णित है।एम. के० दासगुप्ता,
सक्रम प्राधिकारी,
महापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , कलकत्ताअतः मर, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः:—

—206 GI/76

दिनांक: 15 जून 1979

मोहर:

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० १० मि० २३२/रेंज-IV/कल० १९७९-८०-प्रतः
मुझे, एम० के० दासगुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि
धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह स्थावर सम्पत्ति के प्रज्ञन का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,और जिस की सं० 74 (पुराना सं० 64) है तथा जो वि० टी० रोड
कलकत्ता-५६ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय आलिपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 20-11-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यह स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्त को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी हिस्ती प्राप्त या किसी नन या प्रभ्य आम्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
कानून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
न प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा
के लिए;प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रताप कुट्टु राय

(अन्तरक)

(2) श्री विभूति भूषण राय

(अन्तरिक्षी)

को यदृ सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के पद्धति में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पूर्वोक्त सामिल के पास
निवित में किए जा सकेंगे।उपर्युक्त दरगः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही प्राप्त होता जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

74 (पुराना नं० 64) वि० टी० रोड, कलकत्ता-५६ पी० एस०
बेलधरिया में स्थित ७ का० १ छ० १५ स्कै० फी० जमीन का
अधिभाजित आधा ग्रांश के सब कुछ और नं० १९७८ का दलील
सं० ६२६१ में और पूर्ण रूप से वर्णित है।एम० के० दासगुप्ता,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-१६

दिनांक : 15 जून 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री विजय धन

(प्रन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)।

ग्रन्तन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ए० सिं० ३३/रेज/कल०-IV/1979-80—यतः
मुझ, एस० के० दासगुप्ता

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1)
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26 एवं 26 ए हैं तथा जो गरियाहाट रोड (माउथ)
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर्नीपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 7-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए सभी
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प(1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प(1) की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवतः:—

(2) छाया नोर एपार्टमेंट ओनर्स सोसाइटी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा, ग्राहोद्धर्माकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लिखीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

26/26 ए.गरियाहाट रोड (माउथ) कलकत्ता 4 का० 3 छ०
17 स्को० फि० जमीन का सब कुछ जैसे कि 1978 का धलील
सं० 4058 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्तन रेज, कलकत्ता ।

दिनांक : 15 जून 1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ए० सी० 34/रज-IV/कल०/1979-80 यतः
मुझे एम० के० दामगुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 26 एवं 26 ए० है तथा जो अविनाश बनर्जी लेन
थाना शिवपुर डाकड़ा में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 13-11-1978 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, मार्त्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(1) श्री प्रशान्त चटर्जी

सुश्रान्त चटर्जी, अपिवा मुखर्जी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक अवधिप्राप्ति नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताकारी के पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

95/3 अविनाश बनर्जी लेन थाना शिवपुर हावड़ा में स्थित 2 का० 3 स्को० फि० जमीन के सब कुछ जैसे के 1978 का दलील सं० 2337 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्तादिनांक : 15 जून 1979
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एस० एस०-----

(1) श्रीमती कनकलता दे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री जयन्त कुमार साहा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ए० सी० 35/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः
मुझे एस० के० दासगुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिस की प्लाट सं० 317 है तथा जो सि० आई० टी०
स्कीम सं० VIM (रामकृष्ण समाधी रोड) पर स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-11-78
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल हें लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तांकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 317 सि० आई० टी० स्कीम सं० VIM सेरामकृष्ण
समाधी रोड) थाना वेलधरिया, 24 परगना 4 का० 11 छ०
2 स्को० फु० जमीन का अविभाजित आधा अंश के सब कुछ जैसे
कि 1978 का दलील सं० 5432 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

54 रफी अहमद किल्वाई रोड, कलकत्ता 16

दिनांक : 15 जून 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० ८० सी० 36/रेज-IV/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे एम० के० दासगुप्ता

अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्हीं पश्चात 'आ० अधिनियम' रहा गया है), जो भारा 269वा के अधीन सक्षम प्रायकरी हो, पूर्व प्रिश्वात फरने का कारण है फि स्थावर पर्याप्ति, विवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की ज्ञाट सं० 317 है तथा जो सी० आई०टी० स्कीम सं० VIM थाना बेलेघाटा कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप भै वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का निम्न प्रतिगति से अधिक है और अन्तरक (प्रभवरको) और अन्तरित (अनुलिखित) है तो उनके अन्तरण के लिए वरप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमों करने या उपर्युक्त वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आद या किसी धन या आव्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरित आया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कनकलता दे

(अन्तरक)

(2) श्री शिवशंकर साहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियाँ करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के मन्त्रधर में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम्मीद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्ञाट सं० 317 सी० आई०टी० स्कीम सं० VIM थाना बेलेघाटा, 24-परगना, 4 का० 11 छ० 2 स्को० फ० ० जमीन का अविभाजित आधा अंश के सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील सं० 5424 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV
54 रफी अहमद किदवाई ३८, कलकत्ता 16.

दिनांक : 15 जून 1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
२६९-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

शलकत्ता, दिनांक 26 जून 1979

निदेश सं० ए० सी०/रेजII कल०/1979-80—अतः मुझे
एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 69 है तथा जो डायमन्ड हारबर रोड पी० एम०
एकड़ालपुर, कलकत्ता-23 में स्थित है (और इसमें उपांशुद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
डि० रजिस्ट्रार 24 परगना, आलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-11-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान
प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उत्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आन्तरिकों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपेक्षा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रमथ नाथ दत्त

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती मविता वर्धन (2) अनिता देवी, (3)
श्री राम नारायण बोस, (4) श्री तारापद छे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए जारीकरण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
द्वद्व फिसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस नं० 69, डायमन्ड हारबर रोड, कलकत्ता-23, 4 कटा
1 छिटांक 28 स्को० फुट जमीन का पर स्ट्रक्चरण है।

एम० सी० यादव
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II,

54, रफी अहमद किल्वाई रोड, कलकत्ता 16

दिनांक : 26 जून 1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 26 जून 1979

निदेश सं० ए० सी०/रेज-II/कल०/79-90—यतः मुझे एस० सं० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो भौजा गोविन्दपुर, महेश तल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरण में हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; भीर/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धर्म या धर्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, यथाः—

(1) श्रीमती गुजरान्डी देवी अग्रवाल, (2) श्री मोहन लाल गोगल, (3) श्री मुरारीलाल गोगल

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जीत कुमार घोप, (2) श्री जमशेद अली मौला 3. श्री शंकर पाण्डन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के अन्तर्वर्त में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर मुक्ता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में न गाउँ होती है, के बातर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बातर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलेख :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा गोविन्दपुर, महेश तल्ला में 2 बीघा, 14 छिटाक जमीन

पर्म० सी० यादव
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II,

54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 26 जून 1979

मोहर :

प्रकाश ग्राही दी० एस० एस०—

(1) श्री किशन चंद्र पाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री मतीन्द्र नाथ विश्वास और श्रीमती देवाला विश्वास
(अन्तरित)

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेज/कल०/1979-80—यतः मुझे, एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो मौजा पांचर पी० एस० महेशतल्ला-24 परगना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डि० रजिस्ट्रार-24 परगना अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पांच गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविषा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तो किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविषा के सिए;

अनुसूची

18 कटा 12 छटाकस 42 स्के० फुट जमीन पर एकतला मकान, मौजा पांचर पी० एस० महेशतल्ला डि०-24 परगना में है।

एस० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

54 रफीअहमद, विद्वाई रोड

दिनांक : 26 जून 1979

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, प्रधाति:—

प्रकृष्ट पार्टी एन० एस०—

(1) श्री पालुरि रंगा राव

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 37/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः
मुझे, एस० के० दासगुप्ताभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की द्वारा
269-प के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है,और जिस की सं० 122 है तथा जो जे० एन० मुख्यार्जी रोड हुमुटी,
हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 16-11-78 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में वास्तविक रूप
से कार्यित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की द्वारा उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अनुरक्त के धारियों में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या(ख) एगों किसी प्राय या किसी भव या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालं
भास्तुरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।यतः यदि उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प के प्रभुत्वरूप में,
उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प की उपलापा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवितियों, अवधि:—

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी गोयत

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों बरता दूः।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के सम्बन्ध में कोई जा जाएः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या नसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन ते भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताशरी के पास निषिद्ध
में किए जा सकेंगे।लाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रयोग 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
दोष जो उन प्रधायार में दिया गया है।

अनुसूची

122 जे० एन० मुख्यार्जी रोड हावड़ा पर स्थित 5 कॉठा 5 छटाक
18 स्क्वेयर फीट, 5 कॉठा 5 छटाक 27 स्क्वेयर फुट एवं 2 कॉठा
2 छटाक जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील
सं० 1667, 1668 एवं 1669 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।एम० के० दासगुप्ता
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV कलकत्ता
54 रफीश्रहमद किलार्ड रोड कलकत्ता-16

दिनांक : 5 जुलाई 1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती विभावती देवी

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मिकलेयार होटल एण्ड ट्रांसपोर्टेशन प्रा० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 38/रेज-IV, /कल०/79-80—यतः
मुझे, एस० के० दासगुप्ता

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० डांग सं० 484 है तथा जो मौजा-भञ्जलागुरि, पी० एस० शिलिगुरी स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलिगुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या धन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अविक्षितों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधि में कोई भी ग्रामेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूरींत अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अवोहन्ताकारी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भा० मन्डनागुरि पी० एन० शिलिगुरि जिला दारजिलिंग परिस्थित 100 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील सं० 5474 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
नक्षम प्राधिकारी
ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता
54 रफीग्रहमद किलोमीटर रोड, कलकत्ता-16दिनांक : 12 जुलाई 1979
मोहर :

प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती विभावाति देवी ।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० १० सी०-३९/रेज-IV/कल०/७९-८०—यतः
मुझे एस० के० दासगुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति विस्ता० उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० दाग सं० 48.4 है तथा जो मौजा-मनुलागुरि
पी० एस० शिलिंगुरि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिलिंगुरि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :—(ए) अन्तरण से हुई किसी पाय वी बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योर्या(ब) ऐसी किसी पाय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रन-क्र-इ अधिनियम, 1957 (1967 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
सुविधा के लिए;यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोगतः :—(2) सिक्केयार होटेल एण्ड ट्रांसपोर्टेशन प्रा० लि० ।
(अन्तरक)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
निषिद्ध में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा मन्डलागुरि, पी० एस० शिलिंगुरि, जिला दारजिलिंग
परिस्थित 0.86 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1978 का
दलील सं० 5485 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-IV,
54 रफी अहमद किलावाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 12 जुलाई 1979

मोहर :

प्रकल्प घाई० टी० एन० एम०
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० 40/रेज-IV/कल०/1979-80—यतः
मुझे एस० के० दासगुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 30 ढाग सं० 484 है तथा जो मौजा-मन्डलागुरि
पी० एस० शिलिगुरि में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय शिलिगुरि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवधारित:—

(1) श्रीमती विभावती देवी।

(अन्तरक)

(2) सिक्केपार होटल एण्ड ट्रांसर्वेटेशन प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

मा। पृ० ए० धृता जारी हरके दृश्यमान मूल्याते ६ अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त होता;

(ख) इन मूल्यों के राजपत्र में लागत की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त होता, अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हाफ्टोकरण:—इसने प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा मंडनागुड़ि, पी० एस० शिलिगुड़ि, जिला दार्जिलिंग
परम्परा 0.81 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1978 का
दलीज सं० 5497 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज IV,
54 रफी अहमद किल्डवाई रोड, कलकत्ता-16।

दिनांक : 12 जुलाई 1979
मोहर :

प्रक्रम नं. ८० एन० एन०—
जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. ए० सी० 41/रेज-IV /कल०/79-8.0—यह:
मुझे ए० से० के० दामगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ए
के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से अधिक है

श्रीर. जिसकी दाग सं. 484 है तथा जो मौजा-मन्डलामुरि पी०
ए० सिलिगुरि में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिलिगुरि
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
कल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धति से अनुकूल है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिकल, निम्ननिवित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक कम से कमित दर्ता
किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वाचत उक्त प्रति-
निवेदन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर के 100 उसमें इच्छने में निविदा के लिए;
और/।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आहितयों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं निया गया का किय
बाना आहित्य वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन ननिम्नलिखित अवित्यों, अर्जतु:—

(1) श्रीमती विभावती देवी।

(अन्तरक)

(2) सिक्केयार होटल एण्ड ट्रॉमपॉटेण्टन प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधेन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधेन के सम्बन्ध में कोई भी भावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में व
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

इच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में या उस परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा-मन्डलामुरि, पी० ए० सिलिगुरि परिस्थित 0.73
एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1978 का दलील सं. 5517
में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

ए० से० के० दाम गुप्ता
मक्षम प्राधिकारी
अर्जन रेज-IV

54 रफी अहमद किश्वार्ह रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 12 जुलाई 1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी०८० एस० —————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(1) वो मती विमावाणि देवी

(अन्तरक)

(2) सिक्कलेयार होटल एण्ड ट्रांसपोर्टेशन प्रा० लि०
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए०सी०/४२/रेज IV कल०/१९७९-८०—यतः
मुझे एस० के० दास गुप्ता
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थाइ० सम्पत्ति जैसका उचित बाजार गूँद्य
25,000/- रु० में वधिक है,

और जिस की दाग सं० 484 है तथा जो मौजा मङ्डलागुरि पी०ए०म०
शिलिगुरि में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलिगुरि
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का उचित
प्रतिशत से अधिक है और भान्तरक (भान्तरकों) भौत अम्भतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भान्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी वाय की बाबत उक्त अधि-
नियम ८ प्रधीन कर देने के प्रमाण इसके दायित्व में कमी
करना या उसके बचने में भुक्तिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या फिरी व्यव या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाय जन्मरिति द्वारा प्रफूट नहीं हिया
गया था या जिस्या जाता थाहिर या छिपाने में
गुरुत्वा के लिए;

को यह सूचना जारी रक्ते पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत के
लिए कार्यवादिया करता हूँ।

उक्ता संपत्ति के प्रमेय न बन्दूँ में कोई नी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
बाद में अमाप्त होनी दो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यत में दलाल की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पति में हिन्दू-
बदू किसी रथ अविक्त द्वारा, अधोइन्स्ट्राक्चर के
पास लिखित में किं, त्रि सकेंगे।

एठटी रहग — इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना जा० उक्त
अधिनियम के यद्यपि २०-क में यथापरि-
भासित है, ता० अर्थ होगा जो उक्त वकाय
में विद्य वसा है।

अनुसूची

मौजा मङ्डलागुरि, पी० ए० शिलिगुरि परिस्थित ०.५३
एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1978 का वलिन सं० ५३३ में
और पूर्ण रूप से वर्णित है

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम अधिकारी

महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अन्तरित रेज-IV
54 रफी शहुमद फिदाई रोड़ कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपचारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 12 जुलाई 1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमनी विमायति देवी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269व (1) के प्रधीन सूचना

(2) मिकलेयार होटल एण्ड ट्रांसपोर्टेशन प्रा० नि०

भारत सरकार

(अन्तर्गती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश मं० ए० सी०-४३/रेज-IV/कल०/७९-८०—यतः मुझे
एस० के० दासगुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी दाग सं० ४८४ है तथा जो मौजा मन्डलागुरि पी० ए० स०
शिलिगुरि में स्थित है और इसमें उपावरु ग्रन्तुकी में और और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलिगुरि में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
दिनांक.....को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कम लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहृ प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संपादकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

मौजा मन्डलागुरि

मौजा मन्डलागुरि, पी० ए० स० शिलिगुरि जिला दार्जीलिंग
में ०.४७ एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे १९७८ का बलिल सं०
५५४९ में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

ए० स० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II

54 रफी अहमद किदावाई रोड, कलकत्ता-१६

दिनांक : 12 जुलाई 1979

मोहूर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जूलाई, 1979

मं० 84/79-80—अतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्रिय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि इसमें निर्दित, जिसना उत्तिव बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 15-1-503/ए/6, है, जो अशोक मार्किट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिक्रिया, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयव्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में मुश्किल के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीनन्तिमलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. रायल एजेंसीज, 15-2-305

सीदीयम्बर बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एस० गुरु पिता एम० सुब्रमन्यम्,
2738, कीलपाक गार्डन रोड, मद्रास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कायांवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इष सूचना के राजव्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इष सूचना के राजव्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 25-1-503/ए/6, अशोक मार्किट, सीदीयम्बर बाजार, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 4689/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर

सभाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस० --

भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग(1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई, 1979

सं० 85/79-80—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/ए/5 है, जो अशोक मार्केट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 198 (1908 का 1908 का 16) नवम्बर, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स गयल एजेंसिज,
घर नं० 15-2-111, सीदीयम्बर बाजार,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. एस० पतमल पत्नी एन० सुमामण्यम,
278, कापाक गार्डन रोड, मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मत्ती नं० 16-1-503/ए/5, अशोक मार्केट, सीदीयम्बर बाजार, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज, नं० 4705/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० बीर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-7-1979

मोहर :

प्राकृत प्राई० टी० एन० एस०—

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राधिकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 86/79-80—यतः मुझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269व के
प्रधीन समझिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से
अधिक है

और जिसकी सं०आफिस नं० 220 (1/3 भाग) सामग्र व्यू मकान
है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बाहनविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी भूत या अन्य ग्राहितियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-व की उपबारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. स्वास्तिक बिलडर्स,

1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० लीनरामबा,

घर नं० 1-1-230/21/ए, धीकड़ पली,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजेन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अजेन के संबंध में कोई भी आलोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदान का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रयोगाय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोगाय में दिया
वर्णा है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 220 (1/3 भाग) दूसरी मंजिल पर, सागर
व्यू मकान, दीमलगुडा, हैदराबाद नं० 1-2-524/3, विस्तीर्ण
812 वर्ग फीट, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4821/78, उप-
रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर
सभम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं. 87/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 220 (1/3 विभाग) है, जो मागर बु-मकान
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी घन या अन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवैत:—

- स्वास्तिक बुलडस, घर नं० 1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)
- श्रीमती सी० भारती देवी, 1-2-6- गगन महल कालोनी, दीमलगुडा,
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफियम नं० 220(1/3 विभाग) वीस्टन 812 वर्ग फीट
दूमरा मजिल पर मागर ब-मकान, मे० दीमलगुडा, हैदराबाद मे० है
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4822/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय,
हैदराबाद मे०।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-7-79
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 88/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन
समान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 220 (1/3 वां भाग) है, जो सामर्यू मकान
दीमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में
दर्शाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से नूई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रमुखरूप में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवधियों अवृत्ति :—

1. मैसर्स स्वास्तिक बिलडर्स,

1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्थामला राजेश्वर पत्नि डा० के० राजेश्वर,
घर नं० 1-8-519/8,
धीकुड्पली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेन के संबंध में कोई भी आशें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी
अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रयोगस्थानी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदोषरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिल नं० 220 (1/3 भाग) विस्तीर्ण 812 वर्ग फीट
द्वारा मंजिल पर घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा, हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5197/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० वीर
समान प्राधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 89/78-80—यतः, मुझे केंद्र के० वीर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 670 है, जो नारायणपुरम गांव, अनन्तपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या प्रम्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावंश अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गौलीनुला जेपूरी नागापा पिता नरमपा घर नं० 4/188 तीमरा मन्जिल पर अनन्तपुर (2) श्री जी० मुब्बी रेडी, कडवारकुड़ गांव, अनन्तपुर। (अन्तरक)

(2) श्री एम कोन्डारेडी पिता बलविनकटा रेडी घर नं० 7/21 कोट रोड, अनन्तपुर (2) श्री जी० वीरानन्दयपुलु पिता श्री जी० मुब्बी रेडी, कडवारकुड़ गांव, अनन्तपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रधिकारी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इपछीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20क में परिभाषित है, वही प्रम्य होंगा, जो उस प्रधाय में विद्या गया है।

अनुसूची

जरायती जमीन सर्वे नं० 670 एकर 4.76 सेन्ट नारायणपुरम गांव, अनन्तपुर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5052/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, अनन्तपुर।

केंद्र के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
दिनांक : 10 जुलाई 1979
मोहर :

प्रख्य प्राई ० टी० एन० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 90/79-80—ग्रन्त: मुझे के० के० वीर
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2/70 है, जो 1-रास्ता अनन्तापुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तापुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमाने प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवृत्त प्रतिगत से प्रतिकृ त है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नहीं गारा ता गतिहृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामियों
को, जिसमें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्रीमती आर० राजमा पत्नी गोदाम हनुमानता राव
पहला रास्ता अनन्तापुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बुटा कोमदमा पत्नी स्वर्गीय कोनशारेड्डी
देवरबोनडा गाऊ धोत, तायूक करतूल (घर नं०
2/70 1-रास्ता अनन्तापुर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
वायिक्षण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रान्त के नम्बर में हाई सी ग्रान्ट—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोदलाकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं प्रयोग किया जाता है जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

देशपाल घर नं० 2/70 1-रास्ता अनन्तापुर-गांव अनन्तापुर
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5121/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
अनन्तापुर में।

के० के० वीर,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-7-1979

मोहर:

प्रृष्ठप आई० टी० एन० एस०----

1. श्री इधार्धी बाई पत्नी भगवान दास मोती लाल
घर नं० 581 बीलारम बाजार सिकिन्द्राबाद।
(अन्तरक)(2) श्री एन० पीताम्बर 4-1-414/ए/2 तुरुप बाजार
हैदराबाद।
(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1979

निर्देश सं० 91/79-80—यतः, मुझे के० के० वी० र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-414/ए/2 है, जो तुरुप बाजार हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीरकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर 1978
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्नहरण के लिये तथ यापा गया
शतांक, निन्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी धार्य या किसी इन या व्यस्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः धर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निन्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्थात् :—
8-206GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वीभाग घर नं० 4-1-414/ए/2 तुरुप बाजार हैदराबाद में
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 504/78 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के०के० वीरं
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-7-79
मोहर :

प्रख्य प्राई. टी. एम. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 92/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय 120 (1/3 भाग) है, जो
सागर व्यू मकान हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
मिलनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
करित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, मिलनिवित अस्तियों, पर्यातः—

- मैसर्स स्वास्तिक विलडर्स घर नं० 1-2-524 दीमलगुडा,
हैदराबाद ।
(अन्तरक)
- श्रीमती वी० साईरिका घर नं० 30-वेनकाटेश्वर कालीनी,
नारायणगुडा, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक संबंध में रोड भी प्राप्तेः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रबलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वहीं प्रबंह होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 120-(1/3 भाग) 812 वर्ग फुट पहली
सता पर है घर नं० 1-2-524/3 सागर व्यू मकान में दीमल-
गुडा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5198/78 उप-
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979
मोहर:

प्रारूप घार्डॉटी० एन० एस०—

(1) मैसर्स स्वास्तीक बुलडसे घर नं० 1-2-524/3
दोमलगुडा हैदराबाद में।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269ए(1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 93/79-80—यतः, मुझे कें० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
श्रीर जिसकी संकार्यालय नं० 11 है, जो सागर का मकान हैदराबाद
में स्थित है (श्री इससे उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (16) के
प्रधीन, नवम्बर 1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पर उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक रूप से रुपित नहीं होता गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमाध्यं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसर ये, जैसे, उक्त अधिनियम की बारा 269ए की उपचारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री जी० एल० महाजन पिता रामकिशन घर नं० 40-रामगोपालपेट सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के जर्जन के संदर्भ में कोई भी प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मलगी नं० 11 सामने का सत पर वेस्टन 374 वर्ग फुट
सागर कु मकान में दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज
नं० 5199/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के०के०वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्रकृप प्राई० टी० एम० एस०—

(1) मैसर्स स्वास्तीक बीलडर्स घर नं० 1-2-524/3
दीमलगुडा हैदराबाद।

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-प (1) के ग्रामीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

ग्रामन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 94/79-80—यतः मुझे के० के० वीर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रामीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 7 है, जो सागर दु मकान हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हे भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आविष्कार, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ख के ग्राम सरब में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपकारा (1) के ग्रामीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ।—

(2) कुमारी सनतोश देवी पिता जे० शकर लाल अग्रवाल 15-1-53 उसमानगंज हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रामन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रामन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 7 घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद वीस्टन 393 वर्ग फुट सागर कु बिल्डिंग रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4823/78 रुप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
ग्रामन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 95/79-80—यतः, मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, महं विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 5 है, जो सागर वु मकान हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अधिकार के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. मैसरं स्वास्तीक बुलडर घर नं० 1-2-524/3

दीमलगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सालामा तटयाबा पुत्री मुहम्मद खोदीन घर नं० 12-2-458/16 मेहदीपटनम हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मलगी

मलगी नं० आर सी० 5 सामने का सता 300 वर्ग फुट सागर वु मकान घर नं० 1-2-524/3 दीमल गुडा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावज नं० 5016/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 96/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ अधिन के सम्म आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 6 है, जो सागर व मकान हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी रखने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) मैसर्स स्वास्तीक बीलडस 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में।

(अन्तरक)

(2) कुमारी शीतल देवी पिता जे० शंकर साल अग्रवाल घर नं० 15-1-53 उस्मान गंज हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० आर सी० 387 वीस्टेन फट सागर मकान घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4825/78 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-79

मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 97/79-80—यतः मझे, के० के० वीर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भं० मलगी नं० 1 और 2 है, जो सागर व मकान हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चारों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स स्वास्तीक बुलडर्स 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री मुरेश चन्द्रा मलीक पिता मनोहर नाल मलीक घर नं० 1-2-8/3 दीमलगुडा हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मलगुडी

मलगी नं० 1 और 2 नीचे की सत्ता 452 वर्ग फुट सागर व मकान नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4824/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस० —————

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
286-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निवेदण सं० 98/79-80—यतः मुझे के० के० वीर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
286-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है
और जिसकी सं० मलगी नं० 43 है, जो चन्द्रलोक घर सिकिन्द्राबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यून
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिक्ष
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण विकित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(६) अस्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्दरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(७) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की आरा 286-ए के
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की आरा 286-ए की
उप-आदा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवौद्ध-

(१) मैसर्से स्वास्थीक कनस्ट्यूशन कम्पनी 111-एस०
डी० रास्ता सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(२) कुमारी अमतुल मधीन घर नं० 12-2-458/16
महदीपटनम हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्राप्त्याय
में दिया गया है।

मनुष्याची

मलगी नं० 43 चन्द्रलोक कमिलस्क घर नं० 111
एस० डी० रास्ता सीकिन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
5015/78। उप रजिस्ट्रीकार्यालय हैदराबाद में।

के०के० वीर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख : 16-7-1979 अर्जन रेंज, हैदराबाद
मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

जावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा

269(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जलाई 1979

निर्देश सं० 99/79-80—यतः मझे के० के० बीर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आधा 269(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० मलगी नं० 45 है, जो चन्द्रालोक कामपलीक्ष सिक्किन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आधा की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निस्ती गाय ग फिरो घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत १ अब, उक्त प्रधिनियम की आधा 269 ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की आधा 269 व की उपावदा (1) के प्रधीन) निम्नलिखित अधिकारी, अधृत ।—

(१) मैसर्स स्वास्तीक कनस्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी० राम्ना सोकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(२) श्रीमती अमतुल पती मा घर नं० 12-2-458/96 महदीपटनम हैदराबाद।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा अधोदस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रत्यूतो

मलगी नं० 45 चन्द्रालोक कामपलेश 111-एस० डी० राम्ना सोकिन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5065/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बी०
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 16-7-1979
मोहर:

प्रकृष्ण घाई० टी० एस० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जलाई 1979

तिर्देश सं० 100/79-80—यतः मझे के० के० वीर
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें
इसके अधारत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है
और जिसकी सं० कार्यालय नं० 204 और 205 है, जो
चन्द्रालोक मकान सीकिन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978
को रू०१०३३ सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का 'उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति परिणाम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में
कास्तिक रूप से कांपेत नहीं किया गया है ।—

(1) मैसर्स स्वास्थ्यिक कंस्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० ई०
रास्ता सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० सुमीनारायन राज० घर नं० 1-1-
300/1/प/1 अणोक तगर हैदराबाद 20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तर्याम 20-क में परिभ्रापित हैं, वही
भव्य होंगा जो उस प्रायाय में दिया गया है।

(क) अन्तरण पे दुर्दि किसी धारा को बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में रुमी करन या उससे बचने में मुविधा के लिए,
ओर/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी उन या अन्य प्रास्तियों
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-का
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्तर
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

अनुसूची

कार्यालय नं० 204 और 205 दूसरे मंजिल पर चन्द्रालोक
घर 111-एस० ई० सीकिन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
4854/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के०के० वीर

मक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

अस: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, यै, उक्त अधिनियम को प्रारा 269-व की उपलब्धा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश मं० 101/79-80—यतः मझे, के० के० बीर
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है,
और जिसकी मं० मलगी नं० 44 है, जो चन्द्रालोक मकान
सीकिन्द्राबाद में स्थित है और जिसकी इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त गद्दि विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यक्षण के लिये तथ आया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी ग्राय की वावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये

अनुसूची

यतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा, (1) के
अधीनन्मतरिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स स्वास्तीक कंस्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी०
रास्ता, सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) कुमारी आशा अमतुल अखीम घर नं० 12-2-
458/16 महदीपटनम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध ने कोई भी ग्राहकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या उसमंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वितीय रूप से
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम ने प्रधाय 20-ए में परिभ्राष्ट
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उन प्रधाय में दिया
गया है।

मलगी नं० 44 चन्द्रालोक कामपरेस्स घर नं० 111-
एस० डी० रास्ता अनुसूची सीकिन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
5014/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर

मध्यम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-679

मोहर :

प्रब्लेम शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जलाई 1979

निर्देश सं० 102/79-80—यतः मझे, के० के० वीर
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
तात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सभी सम्प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक हैऔर जिसकी सं० मलगी नं० 34 है, जो एम० जी० रास्ता
सीकिन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें उपावढ़ ग्रन्थालयी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सीकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बोन ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रन्तरण से हूई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भूम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानुरूप स्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रयोग:—

(1) मैसर्स युनाइटेड बीलडर्स घर नं० 9-1-41 तम्बाकु बाजार सीकिन्द्राबाद में।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील कुमार घर नं० 5-9-22-41/बी आदर्श नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता है।

उक्त अंति के प्रत्येक नवदर में कोई भी आक्षेप:—

(क) इप सूचना के राजनवी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना को तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति का;

(ख) इप सूचना के राजनवी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अथ अधिकारी द्वारा, अधीनस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क, में परिचालित हैं, वहाँ प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसारी

मलगी नं० 34 महात्मा गांधी रास्ता सीकिन्द्राबाद में
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2782/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकिन्द्राबाद में।के०के० वीर
सभी प्राप्तिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्रकप आई. टी. एन. एस.---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं. 103/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं. मलगी नं. 15-1-503/बी-3, बी-4 है, जो अशोक मार्केट में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैसर्स रायल एजेन्सी नीगरानीकार है इसका भागीदार अमबरीश एन महता रामजी पतन में मकान सुलतान बाजार हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स दीपक रोड लाउज अधीकारी है नीन कुमार 15-1-503/बी-3 और बी-4 अशोक मार्कीट पीलकानी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शब्द होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं. 15-1-503/बी-3 और बी-4 पहली मंजिल पर अशोक मार्कीट पीलकाना हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं. 5211/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्रकाश भार्डौ टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 104/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-8-505 है, जो धीरागली लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यानिय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 नवम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के निए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(1) ऐसों किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभूत अन्तरिक्षीय हैदराबाद प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुविशा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

- (1) श्री बी० वी० रमेश रेड्डी
- (2) श्री बी० वी० सुरेश रेड्डी घर नं० 10-2-320 वेस्ट मारेडपली सोकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

- उक्त हैदर अली कजानी हास्पिटल नामपनी स्टेशन रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के संबंध में कोई भी आमंत्रणः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रातृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश्यत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घर नं० 5-8-505 वीस्टन्ट 1377.93 वर्ग मीटर धीरागली लेन हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4653/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वी०
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्रकाप शाई० डी० एस० एस०—

(1) श्री भूषन लाल गुलाटी घर नं० 1-10-1/14
ग्रामोक नगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा

269 ध (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० मी० नं० 105/79-80—यतः मुझे,
के० के० बीर,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध
के प्रधीन मामल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० शाप नं० 69 घर नं० 1-7-234, 241
है, जो एस डी० रास्ता सीकिन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें
उपावस्तु अन्तर्गती में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रभारण निवित में वास्तुविह कर से रुचित नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी हीमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृं
वन्निंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;यतः प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—(2) श्री ग्रेगोरी कैथरीन घर नं० 12-2-450/16
महाराष्ट्रपटनम हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के
निए नार्वाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी व्यापक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति पर हितवद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्तामरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

मलगी नं० 69 घर नं० 1-7-234 और 241 सरोजीनी
देवी रास्ता सीकिन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 40832/78
उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० बीर,
सक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 106/79-80—पतः मुझे,
के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट न० 32 ब्कारम में है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए पत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का बहुत ह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (पत्तरिकों) और अन्तरिक्ती (पत्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गथा प्रतिफल निम्नलिखित
रद्देश से उक्त पत्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) पत्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के पत्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीर/बा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के प्रमुखरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्ति यों अर्थात् :—

(1) श्री मोहन कानदा (ओ०ए० ए०स०) संजीव आन्ध्र
प्रदेश सरकार के राज भवन हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री देवलालपली बेनकटा सत्यानारायण राउ पुत्र ई०
राधा कृष्णमूर्ति घर न० 3-6-718 होमाण्णन नगर
हैदराबाद।

(अन्तरिक्ती)

को पृ० यह सूचना जारी करके पूर्णता सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयीय करना है।

इस सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के पीछे पूर्णता सम्पत्ति यों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्तान्त्री के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

प्रधीनकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिचालित है, वही
पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन न० 32.400 वर्ग गज पी० ए०न० ई०
एमपलाईस सोसायटी गगनमहल हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज
न० 5214/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 16-7-1079
मोहर :

प्रकल्प प्राईटी एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० ये० सी० नं० 127/79-80—यतः मुझे,
के० के० वीर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-प के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 7-1-8 ता-18 मलाईयां हैं, जो बेगम पेट
हैदराबाद में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में आन्त-
क्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या घण्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1)
के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—206GI/79

(1) श्री एम० वी० एस० चौधरी घर नं० 7-1-68
ग्रामीरपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैमस कीलीगमा घर नं० 7-1-19 बेगमपेट हैदरा-
बाद।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थि के प्रबंधन के
निए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितदण्ड किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।इन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 7-1-19 और 11 (मलगी नं०)
(7-1-8 ता 18) खुली जमीन 2901.40 वर्ग मीटर बेगमपेट
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2908/78 उप-रजिस्ट्री-
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,

संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जूलाई 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 108/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

जिसकी सं० 1-8-215/26 जमीन का सता है, जो सीकिन्द्राबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

- (1) श्री एम० गनगम्भा
- (2) श्रीमती एम० नरसीम्मा
- (3) श्री एम० बालराज
- (4) श्री एम० प्रकाश राज
- (5) श्री एम० गोवीन्द मूरली
- (6) श्री एम० वेनकटेश्वर राज
- (7) श्री हरीकिशना
- (8) श्री एम० हनुमानता राज
- (9) श्री शिवशंकर ने 7 ता 9 (मासूम) पिता है एम० नरसीम्मा राज।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती अनश्वालू पत्नी आर० लग्नमन राज घर नं० 2185 महाकाली स्ट्रीट सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-8-215/26 (जमीन का सता मकान ने पुराना 142/26) लाल बहादुर नगर (एनडरगास्ट रास्ता सीकिन्द्राबाद) रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2890/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकिन्द्राबाद 314 वर्ग यार्ड बीस्टन है।

के० के० वीर

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायत्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 109/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सभापत्र प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 206 और 207 है, जो चेन्नालोक काम्पलेक्स सीकिन्द्राबाद स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के निए अन्तरित को यई है और मुझे यह विश्वास करने का तारंग है कि प्रयाप्तूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शयित्र में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, भौमि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः:—

1. मैसर्सं स्वास्थीक कंस्ट्रक्शन कम्पनी 111-एम डी० रास्ता सीकिन्द्राबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० श्री वीणान राजू (मैनर) हकीकोक निगरजिकार श्री एन० के० पी० राजू पिता एन० एस० राजू 1-1-300/1/ए०/1 आशोक नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्सं दी आन्ध्र मोर्मेंट कम्पनी मन्ती नं० 206 और 207 चेन्नालोक घर सीकिन्द्राबाद ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना नारी छरन्पुर्वीन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप-

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूछना को तामीर में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्टित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

साता नं० 206 और 207 द्वारी मंजल पर चेन्नालोक का घर नं० 111 एम० डी० रास्ता सीकिन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4855/78 उपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 16-7-1979

प्रोहर:

प्रत्येक घाँटा ३० एक ० एक ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वाँ(1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० आयर० ए० सी० नं० 110/79-80—यतः
मुझे, कै०कै० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन 450 वर्ग यार्ड नयापुल हैदराबाद
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुदबैली में भारतीय

* रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है शीर अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस यस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से लिया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वादत, उक्त
अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और तथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविचा के लिए;

यतः प्रथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वाँ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) सैयद अली जाफरी घर नं० 22-7-430 पुरानी
हथेली हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुषपा बाई पती देवकी नन्दन घर नं०
22-7-443 धार कमान हैदराबाद (शंकर कीटा)
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किमी अन्य अवित्य द्वारा, अवौद्धस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही पर्याप्त होगा जो उस परायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीर्तन 450 वर्ग यार्ड हैदरीमार्कीट नयापुल
के पास में हैदराबाद रजिस्ट्री इस्ताबेज नं० 1403/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय दुदबैली, हैदराबाद में।

कै० कै० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 111/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन 448 वर्ग यार्ड है, जो नया पुल हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुबैली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978

पूर्वोक्त संस्थान के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्थान का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ये, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उन्नद्वय प्रतिशत से अधिक हैं और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए क्षय पाया गया अधिकारी के प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण, सिखित में बासाविह रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आक्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-प्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री सैयद अली जाफरी घर नं० 22-7-430 पुरानी हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री देवीका नन्दन घर नं० 21-7-343 धार कमान (शंकर कीटा) हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधन के संबंध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीर्स्टन 448 वर्ग यार्ड नया पुल हैदराबाद के पास में प्लाट नं० 3 रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1404/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय दुबैली हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 16-7-1979

मोहर:

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० 112/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269व के प्रधीन मकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जसकी सं० 5-7-658 रेलवे स्टेशन के सामने नैजामाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीब नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिश में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ।—

(क) प्रमाण यह हुई किसी आय का बाबन, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आर० सी० तीन मंजिला घर नं० 5-7-658 रेलवे स्टेशन के सामने है नैजामाबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5653/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में ।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम दो धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थातः—

तारीख: 18-7-1979
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०---

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश मं० ए० सी० नं० 113/79-80—यतः मुझे,
के० के० वी०आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी मं० 5-7-658/1 रेलवे स्टेशन के सामने नैजामाबाद
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः धरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अथात् :—(1) श्री गोपी किशन ऊराध्याया पिना रामचन्द्रर उपाध्याया
देशी रास्ता नैजामाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० मनीहरी देवी पती श्री लक्ष्मी काल्त
रेही, हज्जीपुर गांव बासवाड़ा नैजामाबाद जिला।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर० सी० सी० 3 मंजिला घर नं० 5-7-658/1
रेलवे स्टेशन के मामने हैं नैजामाबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं०
57/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।के० के० वी०
मक्कम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 18-7-79

मोहर:

प्रस्तुत घाई टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जलाई 1979

निर्देश सं० ए० भी० नं० 114/79-80—यतः मुझे,
के० के० वी०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 10-2-123 वस्ट मारेडपनी सीकिन्ड्राबाद में
स्थित है (और इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकिन्ड्राबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिकल से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण रु० जिसे तथ पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिकल लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) प्रतिकल न हुई किसी प्राव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या।

(ख) ऐसी किसी आव या किसी घन या घन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या क्षम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के अनुतरण
में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा० की उपकारा (1)
के अधीन निम्ननिवान व्यक्तियों प्रवर्ति:—

1. (1) श्री एम० वी० एन० प्रसाद
- (2) श्री शरमा ए० वी० आर०वीर्यर।
- (3) श्री एम० वी० एन० सनजे (मैनर) पुत्र
रकवाले हैं तमामलीग स्ट्रीट है 27-43-3/2
मनदपातीवणी गली गवरनरपीटा वीजया-
वाडा-2।

(अन्तरक)

2. (1) श्री टी० दीपक पुल टी० बाने राऊ
- (2) श्री टी० अमरुलाराऊ तमामप्लाट नं०
7 में रहते हैं घर नं० 10-2-230 वस्ट
मरिडपला सीकिन्ड्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्राम्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
प्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्यंत होगा, जो उक्त प्रधान में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं० 62, घर नं० 10-2-123 वीर्तन 800 वर्ग
राँड है वस्ट मारेडपली सीकिन्ड्राबाद में रजिस्ट्री इस्तावेज नं०
2735/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकिन्ड्राबाद में।

के० के० वी० वी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 18-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप मार्ग ३० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 115/79-80—यह:
मुझे के० के० बीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मलगी नं० 36 एम० डी० है रास्ता सीकिन्द्राबाद में स्थित है (और इसे उगाबढ़ अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुरण से तुर्हि किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) गैरसं यूनेटेड बीलडर्स बर नं० 139 एम० जी० रास्ता सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनील कुमार एस० लुला पर नं० 1-8-264/6
मीनदी कालोनी सरदार पटेल रास्ता सीकिन्द्राबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 36 जमीन के सता पर धर नं० 139 एम० जी० रास्ता के पास में सीकिन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2765/78 उप रजिस्ट्रीकार्यालय सीकिन्द्राबाद में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-7-1979

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रक्षेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 जुलाई 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 116/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी सम्बन्धिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 37 है जो एम० जी० रास्ता सीकिन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्णसूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीय नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चूंकि स उक्त प्रत्यरूप रिकिर में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरूप से ही किसी आय की वादन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने गा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पैसे आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपाने में विधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

(1) मैसर्स यनाइटेड बीलडर्स घर नं० 9-1-41 तम्बाकु बाजार, सीकिन्द्राबाद। (अन्तरक)

(2) मास्टर नरेशलला पुत्र अमरलाल टी० लला घर नं० 1-8-264/22 मरवारपटेल रास्ता सीकिन्द्राबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी ग्रन्थ अधिकत द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 37 घर नं० 139 एम० जी० रास्ता सीकिन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2769/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकिन्द्राबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख : 18-7-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 117/79-80—यतः
मुझे, के० के० बीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 वा
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
६० से अधिक है
और जिसकी सं० मलगी नं० 35-घर नं० है, जो 139 एम०
जी० रास्ता सीकिन्द्राबाद में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावद्ध
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सीकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978
में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की आरा 269 वा के अनु-
सरण में, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269 वा की उच्चार्य
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अधिति:—

(1) मैसर्स यूनाइटेड बलडर्स कार्यालय नं० 9-1-41
नम्बर ५० बाजार सीकिन्द्राबाद में।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० बी० सेलाजा पुत्री टी० बीस्वानातम
घर नं० 298 तीलयर गोरी बाजार सीकिन्द्राबाद-
15।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

हप्ताकरण:—इसमें प्रदूषक गद्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रद्याय 20-क में
परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस
प्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 35 घर नं० 139 महात्मा गांधी रास्ता
सीकिन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2772/78 उप नं०
रजिस्ट्री कार्यालय सीकिन्द्राबाद में।

के० के० बीर

सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —————

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 118/79-80—यतः
मुझे के० के० वीरग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की शारा 269-वा के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 4-एस० पी० है जो रास्ता सीकिन्द्रा
बाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकिन्द्राबाद
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1978 मेंपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि ग्रन्तरक (बस्तरकों) और
ग्रन्तरिती (बन्तरितीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त बन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—(क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के वायित
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीर/या(ब) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अम्य वास्तियों
को जिन्हे भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः, यह उक्त प्रधिनियम की शारा 269 वा के अनुसरण
में, भै, उक्त प्रधिनियम की शारा 269 वा की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अचात :—(1) श्री राणी कुमारास्वामी पिता श्री
लण्ठमच्चा, व्यापारी करीमनगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री इन्दलाल पुरशोलम

(2) श्री हसमुकु पुरशोलम

(3) महेश कुमार पुरशोलम तमाम रहते हैं घर
नं० 8580 हैदरबास्ती सीकिन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्त के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के घायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस घायाय में दिया गया
है।

मनुसूची

प्लाट नं० 4 घर नं० 156, ता० 159 सरदार पटेल
रास्ता सीकिन्द्राबाद में बीस्तेव 733.33 वर्ग याड रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 2937/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय
सीकिन्द्राबाद में।के० के० वीर
नक्षम प्राधिकारी
महायकर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आर्डो टीओ एनो एसो---

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
289ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज, हैदरगांवाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जलाई, 1979

ग्राहक एवं विक्रीकार नं 119/79-80-अतः मुझे केवल वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वी
के अधीन समझ प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० भाग 3-4-841 है, जो बरकतपुरा, हैदरगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदरगाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में

पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमि यथा विश्वास करने का कारण है यह यथावौदात सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तररह (अन्तरकर्ता) भी यस्तदिनों (अन्तरिक्षियों) के द्वारा ऐसे अन्तररण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उत्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुति से हुई कियी आय की बाबत, उत्तर प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में मुद्रिता के लिए; प्रीर/या

(ए) ऐसी जिसी प्राय या किसी धन या अरा धारियों को, जिसे भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस प्रविधियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में संविदा के लिए;

प्रतः प्राव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

1. श्रीमति रहीयाकातन पति श्री मुहम्मद फजलुर रहमान
कान घन नं० 43/70 नरसीम्या रोड पैट करनूल।
(अन्तरक)

2. (1) श्री ग्रग्जीदुला कान (2) श्रीमति समदानी बेगम
पति महमद कान घर नं 117/1 काचीगुडा ग्लवे स्टेशन
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोत्तर भारती के प्रजन्त के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानुत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्सों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिधित है, वही पर्यं होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

घर नं० 3-4-841 वीर्टन 305 वर्ग यार्ड ब्रक्टपुरा
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4728/78 उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

केंद्र केंद्र वीर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 18-7-1979

मोहर ३

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई 1879

सं० 120/79—80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन कुली जमीन 230 वर्ग यार्ड घर नं० 3-6-102 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट हैदराबाद अधिकारी के कार्यालय सर्वद्यारा जैनरालेन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 198 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति विवित में वास्तविक रूप से संखेत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आवश्यक वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या धन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया जवा या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रत्यक्ष अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मर्वश्री टी० गोपाला कृष्णा (2) और यादगीरी जे-कृष्ण (3) दी० रादाकृष्णा (4) डी० रामा कृष्णा (5) डी० येलम्मा (6) कमलाबद्धशी पति के अनज्यया (7) टी० सरोजनी पति टी० राम (8) कुमारी इनदीरा तमाम का घर नं० 1-2-337-गगनमहल रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० ज्योति रामद्या पिता रामधेंद्रा घर नं० 12-2-419/1 अलापादी नगर-महानगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पाया निवित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें रयुना शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचापित है, वही धन्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन 23 वर्ग यार्ड घर नं० 3-6-102 शथीद्यार जंग गली-वशीरबाग हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4891/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 18 जुलाई, 1979।

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं० 121/79-80—श्रतः मझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-102 और प्लाट है, जो बशीरबाग
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्णस्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1978
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पांचहूँ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था,
किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) डॉ० गोपालाकृष्णा (2) डॉ० यादगीरी जे०
जग्या (3) डॉ० राधाकृष्णा (4) डॉ० रामकृष्णा (5) श्रीमति
येनम्मा (6) श्रीमति के० कमला वार्ड, श्रीमति टी० संगतनी
(8) कुमारो इन्दिरा वर नं० 1-2-337 गगनमहल रास्ता
हैदराबाद ।

2. श्रीमति शैलीनी दामे पत्नी श्रनवन कृष्णा दामे
21-1-393 गोकाबगंज हैदराबाद में। (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रौद्यताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तशः :— इसमें प्रयुक्त गद्दी और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के प्रधान्य 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में विद्या गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-102 शहीद्यार जंग रास्ता बशीरबाग
हैदराबाद में विस्तीर्ण 230 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज सं०
4955/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 18-7-1979

मोहरः

प्राप्ति आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जलाई, 1979

सं० 122/79-80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० विभाग 3-4-759/1 है, जो बणीग्राम
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और
पूर्णांक से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा १-व (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री धी० वी० गुरेश गुप्त श्री रगवेन्द्र गुप्त भर
गं० 5-8-52 नाम पता स्टेपन शाहा हैदराबाद (अन्तरित)

2. श्रीमति मरला क० गोडके पति के० शी० गोडके
3-4-759/1 वरकतपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के
पास निविन में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं,
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग नं० 3-4-759/1 वरकतपुरा हैदराबाद में विस्तीर्ण
139 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5019/78 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 18-7-1979

मोहर :

प्रकृत्य प्राई० ट्रौ० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं० 123/79-80—अतः मुझे के० के० वीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग नं० 1-8-6556 है, तथा जो धीकडपली
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनमूची में और^{स्प} से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1978
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दरहेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई नियी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी भ्रन या अन्य प्राप्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपशारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीत:—

12-206GT/79

1. कुमारी कवीता देवी सुपुत्री सत्यानारायण भिंह
घर नं० 1-2-412/7 दोमलगडा हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री निरन्जन लाल अगरवाल (2) सत्येन्द्रकुमार
घर नं० 1-5-555 मुशीराबाद हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रदान के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रदान के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

टप्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 1-8-556 धीकडपली हैदराबाद में
विस्तीर्ण 367 वर्ग गज रजिस्ट्री इस्ताबेज नं० 5057/78
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 18 जुलाई, 1979
मोहर :

प्रकृपा आई.डी.एम.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं. 124/79-80—प्रत: मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 3-5-132 है, जो तिलक रास्ता रामकोट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित प्राविधिक रूप से किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायितव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य मासितियों को चिन्हों प्रारंभीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिये;

प्रत: धर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशाखा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अधितियों, प्रष्टव्यः—

1. श्रीमति मुजफ्फर जान बेगम पत्नी हमीद अली अस्तनी (10-वीं) क्वास आगामुरा हैदराबाद (अन्तर्गत)

2. श्रीमति महमद मुस्तफा अली खान 3-5-141 रामकोट हैदराबाद (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लायंशादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझें :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अन्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोलक्षणी के पाव लिखित में लिए जा नहेंगे।

स्पष्टोङ्करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं. 3-5-132 रामकोट के पास हैदराबाद में विस्तीर्ण 235-वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं. 5177/78 रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद,

दिनांक : 18-7-79

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 125/79-80—अतः मुझे
के० के० थीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-231 काचीगुडा है, जो स्टेशन रास्ता
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन नवम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अनन्तर के अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. (1) सर्वश्री मुकुन्दराय चौधरी बम्बे-6-(2)
जयन्तराज (3) अकन्द राज (4) वीश्वास राज (5)
चन्द्राकान्तराज (6) धनन्जय (7) श्रीमति राधाबाई (8)
मन्माला (9) नक्षमी (10) वीतदीनी (11) सरोजिनी (12)
सनजीवीदी (अन्तरक)

2. (1) सीसप्पानारायन (2) सी बालकिंग (3) सी०
प्रभुलाल (4) सी० सायीनाथ (5) सी० महेवराव (6) सी०
श्रमरनाथ (7) सी० मोतीनाथ (8) सी० नरेंद्रनाथ तमाम
लोग रहते हैं 14-3-1958 शीशमहल हैदराबाद में।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के
लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आलोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोमुक्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान और खुली जमीन नं० 3-4-231 कहा जाता है
“गोकुल” भोजमजाई रास्ता काचीगुडा स्टेशन रास्ता हैदराबाद
में विस्तीर्ण 2362 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4976/78
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० थीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 18-7-79

मोहर:

प्रहृष्ट आई० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत
269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई, 1979

आर० य० सी० न० 126/79-80—अतः मुझे के०
के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269 च
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
पर्यन्त से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन 515 वर्ग फार्ड है, जो चिराग
अली लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में
पूर्वोन्न वस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोन्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है प्रीर अनुरक्षण (अनुरक्षण) प्रीर अनुसरिती
(अनुसरितियों) के बीच ऐसे अनुरक्षण के लिए सभी पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अनुरक्षण सिद्धि के
वास्तुविक कर से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अनुरक्षण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्षण के
वापत्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए। ज्ञापन।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अनुसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी आमाचाहिए या छिराने में सुविधा
के लिए।

अतः यद्युक्त अधिनियम, की भारत 269 च के अनुरक्षण में,
वै उक्त अधिनियम, की भारत 269 च की उपलापा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवधियों अवधारित:—

1. (1) बद्रुल इस्लाम (2) मीससं अमनुस सुब्बान
धर नं० 5-8-449 चिरागअली लेन हैदराबाद (3) फरीदा शेर-
यार यू० एस० ए० अधिकारी वेन्डर नं० 1 ।

2. (1) शाबीदीन रामगोपालपेट सिकन्द्राबाद (2)
अकबरअली मुराबली बैंगलूर (3) सुलेमान (4) अमीन
धर नं० 2-3-59/60 रामगोपाल पेट सिकन्द्राबाद में।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्न सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यवाहीर्थी करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोन्न
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद
किसी अवधि द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलिखित उदाहरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर्दों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही धर्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

जन्मसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 515 वर्ग गज धर नं० 5-8-448
चिरागअली लेन हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 4811/
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 19-7-1979

मोहर:

प्रकृप प्राई. टी. एन. एस. ——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

आरा० ए० मी० भा० 127/79—80—ग्रन्त: मुझे के०
के० थीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
डॉ में अधिक है

और जिसकी सं० 1-5-16 गंज बाजार है, जो कामगान्जेरडी
नैजामाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध प्रत्युत्तमी में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कामा-
रडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित छहप्रत्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राप की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी ग्राप या किसी धन या वस्तु आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा-
षनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, उपरोक्त में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रवित्रितम को घारा 269व के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधितयों, धर्मीत ।—

1 (1) सैयद तुराब अली (2) सैयद इमदाद अली
(5) सैयद कासिम अली तमाम का धर सं० 1-5-16
कामारेडी नैजामाबाद (अन्तरक)

2. (1) मनचेयीला भुमया सुपुत्र वेनकया धर नं०
1-4-15वीं गंज रास्ता कामारेडी नैजामाबाद जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ध के अर्जन के
लिए कार्यवाहिनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, पश्चात्स्वाक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें आयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
मर्ज होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर और खुली जमीन मं० 1-5-16 और 1-5-17
जुमला विर्ट्टीण 5812.5 वर्ग फीट कामारेडी नैजामाबाद
में है रजिस्ट्री इस्तावेज नं० 4096/1/78 उप रजिस्ट्री कार्या-
लय कामारेडी में

के० के० थीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 19-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

आर० ए० सी० नं० 128/79-80—ग्रातः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधारात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 97/1 आदर्शनगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और ग्रातरक (ग्रातरको) और ग्रातरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या ग्रातर प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाती अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रातः अर्थ, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपावड़ (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति जी० अनन्दसुया पत्नी श्री वेंकटरत्नम प्लाट नं० 2 मुशी थीड़ी कम्पनी हुमायूनगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री वीकटर सुपुत्र देवाननम धर नं० 6-2-966/5 खेतराबाद हैदराबाद में (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए उत्तमार्थ कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त मंपति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्धि किसी प्रथ्य अवधि द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:— सभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 97/1 आदर्शनगर हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4833/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 19-7-1979

मोहर:

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रंथिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

ग्राम० ए० सी० नं० 129/79-80—ग्राममुझे के०
के० वीरग्रामकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंथिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5-8-190 ता० 19 है, जो बाग
नामाली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रंथिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से काबित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्रंथि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन व अन्य सामिलियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर ग्रंथिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रंथिनियम, या
घन-कर ग्रंथिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।ग्राम: अब, उक्त ग्रंथिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त ग्रंथिनियम की बारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अपत्ति:—1. श्रीमति सविरासुलताना सुप्रक्षी महमद समीयुला
22-6603 मूरकान बाजार हैदराबाद (अन्तरक)2. श्री गुलाम महमद खान सुप्रत दोभ्त महमद खान
घर नं० 13-1-110 नंगलहाट हैदराबाद (अन्तरिती)को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त ग्रंथि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्दुक्षी

घर नं० 57190 ता० 196 बाग नाम पली में रजिस्ट्री
पस्तावेज नं० 5186/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० वीर
सकम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्त्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 19-7-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधार
269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

आर० ए० सी० न० 130/79-8 अतः मुझे के०
के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आधार 269वा के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16-8-933/ई है, जो मलकेट हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसे उपायद्र अनुसूची में श्रीर पूर्ण लूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में

पूर्वोत्तर संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि स्थापुर्वोत्तर संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लिङ्गेश संक्षेप से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के विविध में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी वा या प्रध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या जन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आधार 269वा के प्रनालण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आधार 269वा की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अथात्:-

1. श्री बुलसु सुर्यनारायण यू० एस० ए० जी० पी० ए० वी० सुब्रमन्यम दता प्लाट नं० 12 ए० वी० ए० स० आफीसर्स कालोनी सैदाबाद हैदराबाद (अल्लरक)

2. श्री एस० पारपूर्ण दता (2) श्रीमति गम लक्ष्मी कान्तम घर नं० 16-8-933/ई मलकेट हैदराबाद (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करने पूर्वोत्तर संगति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संगति के अर्जन के संबंध में कोई भी विवेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर संगति अक्षियों में से किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वित्तव्य किसी भव्य अक्षियां द्वारा प्रदोहस्तानी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

उपर्युक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुत्तरी

दो मन्जिला घर नं० 16-8-933/ई कहा जाता है—
"लक्ष्मी नीलयम"—नागरचुमामागर रास्ता मलकेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 449/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 19-7-79
मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 19 जुलाई, 1979

प्रार० ए० सी० न० 131/79-80—मत: मुझे के० के० वीर
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी स० प्लाट ए सर्वे न० 166/2/है, जो सोमाजी गुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवम्बर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिकृत से अधिक है और प्रस्तुत (प्रस्तुतरक्त) और प्रस्तुतिरती (प्रस्तुतिरती) के बीच ऐसे प्रस्तुतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त प्रस्तुतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुत से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुतरक्त के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तर्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तुतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

मत: बब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रस्तुतरण में वे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्पतः:—

13-206GL/79

- श्री टी० स्वतन्त्र कुमार (2) जे० गौतमगुड सुपुत्र रथुपति राज घर न० 3-5-70/मी हैदराबाद (अन्तरक)
- श्री ए० रमेश 2-1-154/5 नल्लाकुन्टा हैदराबाद (अन्तरिम)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट और जमीन न० ए सर्वे न० 166/2 सीमाजीगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 5200/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
संकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 19-7-79
मोहर:

प्रष्टप आई०टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

सं० 132/79-80—ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी जमीन सं० 166/2 है, जो सोमाजीगुडा में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकरी अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रायातः—

1. श्री टी० स्वतन्त्रा कुमार वारंगल (2) श्री जे० गोतम राउ 3-5-170/सौ नारानगुडा हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमति अनन्तुया 103/बी वेनालराउ नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रायेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोवृस्ताकरी के गाप तिरिन में निहाज होते।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही व्यर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सरबे नं० 166/2 सोमाजीगुडी हैदराबाद में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5201/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 19-7-79
मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

सं० 133/79/80—यतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भाग 16-10-33 है, जो पुण्यामलक पेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजम पुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रमुखित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य जास्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः आयकर अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर वे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपकार्य (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति :—

1. श्री सैयद महमद जुलेकादर पाशा घरनं० 16-10-33 पुराना मलकपेट हैदराबाद (अन्तरक)

2. डॉक्टर कोनतमरामाराउ 16-3-688 घंथलगुडा हैदराबाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्बंदाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य अवित्त द्वारा, अधीक्षित वाक्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इवादोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भाग घर नं० 16-10-33 पुराना मलकपेट हैदराबाद विस्तीर्ण 90 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 30408/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में ।

के० के० वीर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 19-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

सं० 134/79—80—ग्रतः मुझे के० के० बीर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है, और जिसकी सं० सरवे नं० 128 है, जो ममाबटेन्क
हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खेरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति ने उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया
गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी पाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यारक के वायिस
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
आना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अउः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचाय (1) के
अधीन निम्नविवित व्यक्तियों अधिति—।—

1. देवी रानी पत्नि स्वर्गीय नरेंद्रपरशाव 6-3-354 पन्थागुटा
हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमति मोहनपाण पर्णी महमद अब्दुल खलीक (2)
लियाकतुनीसा मोहसीन यैमद (3) संयद अब्दुल मुकताबीर सायेब
सीदीकी (4) महमद पहीमीदीन यैमद (5) महमद
हंपीसीदीन हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एव्वलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं
वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 96.22 वर्गगज सरवे नं० 128 मासाब
तालाब हैदराबाद रजिस्ट्री बस्तावेज नं० 2921/78 उप रजि-
स्ट्री कार्यालय खेरताबाद में।

के० के० बीर
सक्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 19-7-79
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई, 1979

आरा० ए० सी० 135/79-80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवासकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सरवे सं० 128 है, जो मासाब टेक में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल परिषिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित कर्त्ता किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमान अस्तरिती हारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवातः—

1. श्रीमति प्रल्हाद कीशोर पति बीच्याशहर 6-3-354 पन्थगुटा हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति मैसर्स मोडीनपाशा पत्ती महमद अब्दुल खलीक (2) लीयाकतुनीसा (3) सयद अब्दुल मुतकबीर (4) महमद पहीमीदीन यमद (5) महमद हृषीजीदीन, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवंत के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकते।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रायाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रायाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 597.77 वर्ग मार्ड सरवे नं० 122 मासाब टैक के पास हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2922/8 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 19 जुलाई, 1979।

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जुलाई 1980

आर.ए.सी.नं. 136/79-80—अतः मुझे के० के० वीर

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सरवे सं० 128 है जो मासाब टेन्क हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद हैदराबाद में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिवात से अधिक है और अभ्यरक (अन्तर्कों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अभ्यरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अभ्यरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशाले अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

परा, घब, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्चात्:—

1. श्रीमार्ति सुमीत्रारानी पत्नी धरमसागर 6-3-354 पन्जागुटा हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमार्ति मेसर्स भोजनपाशा (2) लीयोकतुनीसा (3) सेप्यद अबदुल भुतकबीर साब (4) महमद पहीमीदीन यैमद (5) महमद हृषीसीदीन तभाम रहते हैं हैदराबाद में। (अन्तर्की)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीर्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोमुस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1099.55 वर्ग यार्ड सरवे नं० 128 मासाब टेन्क हैदराबाद के पास में है राजस्त्री दस्तावेज 2923/78 उप राजस्त्री कार्यालय खैरताबाद में हैदराबाद।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 19-7-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लुधियाना

लुधियाना विनांक 2 अगस्त, 1979

निदेश सं० एमडी/27/78-79—अतः मुझे आर० के०
मलहोत्तरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बीघा 5 विश्वा
है तथा जो गांव अकबरपुरा सब-तहसील अहमदगढ़ में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदगढ़ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्री प्रताप सिंह पुत्र किशन सिंह वासी गांव अकबर-
पुरा सब-तहसील अहमदगढ़
(अन्तरक)

2. मैसर्जे थी० के० आईलज प्राइवेट लिमिटेड, 171-
आई० सराभा नगर, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध; कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बीघा 5 विश्वा है और जो गांव
अकबरपुरा, सब-तहसील अहमदगढ़।
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अहमदगढ़ के
कार्यालय के विलेख सं० 1575, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लुधियाना

दिनांक 2 अगस्त, 1979
मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 2 अगस्त 1979

निदेश सं० एलडीएच०/129/78-79—अतः मुझे आर०
के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है:—

और जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1670 वर्ग गज है
तथा जो तरफ कारा बारा, गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 1927)
के प्रयोजनर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. गुरुप्रसाद द्रष्ट रजि०, लुधियाना द्वारा श्री प्रीतपाल
सिंह गरेवाल पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह गरेवाल, बासी गुरदेव
नगर, लुधियाना
(अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश पुत्र लकू मल वासी 87-कोटी
एकन्य, अमृतसर। श्री केवल कांत पुत्र मरन लाल वासी मारफत
मैसर्जे लकू मल एंड सन्ज, कनक मण्डी, अमृतसर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1670 वर्ग गज है और जो गुर-
देव नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 3223, नवम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधीकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 2 अगस्त, 1979

मोहर:

प्रसंप श्राई० टी० एन० प८०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अगस्त 1979

निदेश सं० सीग्वडी/246/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 65, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 151.67 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बूझ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-206GI/79

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, वासी 65, सैक्टर 20-ए चन्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री मायन दत्ता उर्फ सैन दास पुत्र श्री मिधुराम, वासी 65-सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

3. 1. श्री उमेश कुमार,

2. श्री कृष्ण पाल गुप्ता,

3. श्री कृष्णपाल

4. श्री रमेश कुमार

5. श्री शामा व

6. श्री रजिन्द्र पाल, सारे वासी 65-सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्दन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2. 1/2 मंजिला मकान नं० 65, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 151.67 वर्ग गज है और जो सैक्टर 20-ए चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जापदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के खिलेख संख्या 692, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 2 अगस्त, 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० ए० ए० ए०

1. श्री दण्डपात्रि ग्राई

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० सहलजा

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं० 81/79-80/1एसी (ए/आर) बीबीएसआर—
अतः, मुझे, बि० मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।श्रीर जिमकी सं० 217 है, जो भुवनेश्वर में स्थित है (श्रीर इससे
उपाय अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इरामे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ
अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; श्रीर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आरियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;एक सुहृला मकान 217 नम्बर खुड़ि पर बापूजीनगर
भुवनेश्वर मैंचा में है। वह मकान भुवनेश्वर में रजिस्ट्री कर्ता अधि-
कारी के कार्यालय में 18-11-1978 तारीख को रजिस्ट्री किया
गया है। इसका डाकुमेंट नं० 8197 है।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—श्री० मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर
दिनांक : 9 अगस्त 1979
मोहर :

प्रभाव प्राप्ति दर्शन १८०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत राजवाच

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जून 79

निदेश सं० 405-ए/देहरादून— अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 23 सरस्वती सोनी मार्ग है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के वृयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृयमान प्रतिफल से, ऐसे वृयमान प्रतिफल का अन्तर विविध से भिन्न है और इनके (अन्तर्भूती) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाली विवरण करने के लिए नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरोपण से हुई किसी आय की वापसी, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्भूती के वायित्व में कर्मी करने या उसमें बचन में विविध के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किनारन या उत्तराधिनियम को जिन्हे भारतीय अधिकारी प्रतिनियत, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिकारीय, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकार नहीं (नहीं) गया था या (जिस आना चाहिए था, फिरने में सुविधा के लिए)।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भीम सेन वैहृष पुत्र स्व० श्री तज्जत राम वैहृष

23 सरस्वती सोनी मार्ग देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार जैन पुत्र श्री किशन चन्द्र जैन निः
हाल 79 तिलक रोड, देहरादून

(अन्तरिती)

जो यह मूला जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्वता के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस गृहना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकें।

सम्बद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वे अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या दिया है।

अनुसूची

भवन सं० 23 सरस्वती सोनी मार्ग देहरादून में स्थित है। जिसका ग्राउण्ड फ्लोर 127 वर्ग मीटर में तथा फ्ल्स्ट फ्लोर 63.7 वर्गमीटर में बना है जोकि 51,000/- रुपये में बेचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 18-6-79

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd August 1979

CORRIGENDUM

No. A.35014/1/79-Admn.II.—For the words “a Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission” appearing in the Union Public Service Commission Notification of even number dated 24.6.1979 the words “a permanent grade A Officer of the CSSS cadre of UPSC” shall be substituted.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
for Secy.

Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd July 1979

No. A-19036/1/79-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri B. K. Sharma, an officer of the Gujarat State Police, on deputation as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I. with effect from the forenoon of 16.6.1979 and until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E),
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 1st August 1979

No. O.II-1056/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Rama Chandra Dash, General Duty Officer, Grade-I of Group Centre, CRPF, Batalab (Jammu) with effect from 11.7.1979. (AN).

No. F.2/18/79-Estt(CRPF).—The President is pleased to sanction extension of service for a period of two years with effect from 1.7.79 to Shri I. Jayasimha, Commandant, Central Reserve Police Force.

No. F.2/30/79-Estt(CRPF).—The President is pleased to sanction extension of service for a period of one year with effect from 1.7.79 to Shri V. Krishnaswamy, Commandant, Central Reserve Police Force.

The 3rd August 1979

No. O.II-130/75-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Major Gurdial Singh (Retd) relinquished charge of the post of Asstt. Commandant, 1st Singal Bn., CRPF, New Delhi on the afternoon of 3.7.79.

No. O.II-1441/79-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri T. G. L. Iyer, an IPS officer of Maharashtra Cadre, as IGP in the CRPF Force.

2. Shri Iyer took over charge of the post of IGP, S/I, CRPF Hyderabad on the forenoon of 23rd July, 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 4th August 1979

No. 11/1/79-Ad.I-15663.—The President is pleased to appoint Shri Akhlaq Ahmad, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad as Deputy Director

of Census Operations, in the same office, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the afternoon of 23rd July, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Ahmad will be at Hyderabad.

No. 11/34/79-Ad.I-15686.—The President is pleased to appoint Shri K. V. Ramaswami, Officer Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, as Assistant Director of Census Operations, on regular basis, in a temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of 26th July, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Ramaswami will be at Trivandrum.

No. P/P/(35)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 27th March, 1979, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri K. N. Pant, Hindi Translator in the Secretariat at Election Commission of India, as Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, by transfer on deputation upto 31 December, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Pant will be at New Delhi.

The above *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Pant any claim to regular appointment to the post of Hindi Officer in this office. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

The 24th August 1979

No. 6/1/74-RG (Ad. I).—The President is pleased to extend the term of appointments of the undermentioned Consol Operators in the Office of the Registrar General, India at New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office on purely temporary and *ad-hoc* basis upto 31st December, 1979, or until further orders, whichever is earlier, on the existing terms and conditions, as indicated in this Office previous reference number as mentioned in column 3 below:—

| S. No. | Name of the Officer | Previous Reference No. and date |
|--------|---------------------|------------------------------------|
| 1. | Shri R. N. Talwar | 6/1/74-RG (Ad. I) dated 21-2-1979. |
| 2. | Shri R. L. Puri | 10/12/78-Ad. I dated 3-3-1979. |

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 21st July 1979

No. 1(3)-A/ACPE/79.—On transfer from the Ministry of Finance Department of Expenditure, Shri K. C. Bhattacharya, Asstt. Director (*ad hoc*) has been appointed as Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 1100-1600 on usual deputation terms with effect from the afternoon of 2nd July, 1979 until further orders.

No. 1(4)-A/CPE/79.—On transfer from the Commission of Inquiry on Maruti Affairs, Shri G. Narasimhan, Accounts Officer, of the office of the Accountant General Gujarat has been appointed as Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 700-1300 on the usual deputation terms with effect from the afternoon of 30th June, 1979 until further Orders.

No. 1(4)-A/CPE/79.—On transfer from Office of the Accountant General, Tamil Nadu, Shri R. Srinivasan, Section Officer (Accounts) has been appointed as Research Officer in the Commission on Public Expenditure, on usual deputation terms in the scale of pay of Rs. 700-1300 with effect from the afternoon of 19th June, 1979 until further orders.

No. 1(7)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Finance, Department of Expenditure, Shri I. P. Puri, Stenographer Grade A of C.S.S.S. has been appointed as Private Secretary in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 775-1200 on usual deputation terms, with effect from the forenoon of the 1st June 1979, until further orders.

G. II. BIJI ANI,
Dy. Secy.
Commission on Public Expenditure

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 16th August 1979

No. M(49)-All.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Narayan Lal Mazumdar, Technical Officer (Photolitho) to officiate as Deputy Manager (Photolitho) in the Government of India Press, Minto Road, New Delhi, with effect from the forenoon of 21st June, 1979, until further orders.

P. B. KULKARNI, Jt. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 21st July 1979

No. 12/722/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. G. Seshadri, Assistant Director (Gr. II) (Leather/Footwear), C.F.T.C., Madras as Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear) at C.F.T.C., Madras, with effect from the forenoon of 28th March, 1979, until further orders.

No. A-19018/272/77-Admn.(G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri T. K. Bandopadhyay, Deputy Director (Chemical), Small Industries Service Institute, Cuttack from Government service with effect from the afternoon of 26th June, 1979.

No. A-19018(381)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Anil Kumar Duggal as Deputy Director (Mechanical) in Regional Testing Centre, New Delhi with effect from the forenoon of 29th June, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 1st August, 1979

No. EST.1.2(574)/3439. —Shri F. D. Haradhwala, Director in the Office of the Textile Commissioner, Bombay has retired from service from the afternoon of 30th June, 1979 on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA,
Textile Commissioner

Bombay-20, the 1st August, 1979

No. EST.1.2(605)/3444.—The Textile Commissioner is pleased to appoint Smt. A. S. Killekar, as Assistant Director Gr. I (NT) on a regular basis w.e.f. 4.3.1979 and until further orders in the office of the Textile Commissioner, Bombay.

J. C. HANSDAK,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th August 1979

No. A-1/1(1699).—The President is pleased to appoint Shri M. K. Bhatnagar, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the office of the Director of Supplies and Disposals, Kanpur, to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same office, with effect from the forenoon of 9-7-79.

K. KISHORE,
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 19th July 1979

No. A-6/247(549).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Saha, Assistant Director of Inspection (Met.) in Grade III of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate as Deputy Director of Inspection (Met.) in Grade II of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group A with effect from the forenoon of 29th June, 1979 and until further orders.

2. Shri R. N. Saha relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.) Burnpur on the afternoon of 19th June 1979 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Met.) in the Directorate General of Supplies & Disposals (Inspection Wing), New Delhi on the forenoon of 29th June 1979.

The 26th July 1979

No. A6/247(310)/61.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Assistant Director of Inspection (Metallurgical) in Grade III of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group, 'A' to officiate as Deputy Director of Inspection (Metallurgical) in Grade II of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 29th June 1979 and until further orders.

2. Shri S. K. Das relinquished charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Office of Director of Inspection (Met.) at Burnpur, on the afternoon of 23-6-1979 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Met.) at Durgapur under the Directorate of Inspection (Met.) on the forenoon of 29th June 1979.

The 27th July 1979

No. A-6/247(80)/72.—Shri G. P. Gupta, permanent Deputy Director of Inspection (Met.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Metallurgical Branch) in the Tatanagar inspection Circle retired from Govt. service on the afternoon of 30th June, 1979 on attaining the age of superannuation (i.e. 58 years).

The 30th July 1979

No. A6/247(360)/73-JL.—The President has been pleased to appoint Shri K. Subramoni, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) at Ahmedabad under the Director of Inspection, Bombay to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A, Engg. Branch) on *ad-hoc* basis and posted at Ahmedabad under the same Circle w.e.f. 31-5-79 (FN).

Shri Subramoni relinquished the charge of AIO (E) and assumed charge of the post of IO (Engg.) at Ahmedabad under Director of Inspection, Bombay on 31-5-79 (FN).

P. D. SETH,
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd August, 1979

No. A.19012(92)/77-Estt.A.—Shri S. C. Srivastava, permanent Sr. Technical Assistant is promoted to officiate as Assistant Chemist in this department on regular basis w.e.f. the forenoon of 28th June, 1979 until further order.

S. BALAGOPAL,
Head of Office

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 27th July 1979

No. A-12026/1/77-Estt.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri S. J. Joshi, Officiating Asstt. News Recl Officer, Films Division, Patna, to officiate as Cameraman in the Films Division, Bombay, with effect from the forenoon of the 2nd July, 1979, until further orders.

M. CHANIRAN NAIR,
Administrative Officer
For Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 28th July 1979

No. A.12025/29/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt) Urmil Arora to the post of Dental Surgeon at Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 30th June, 1979 in an officiating capacity & until further orders.

Consequent on her appointment to the post of Dental Surgeon, at Safdarjang Hospital, New Delhi, Dr. (Smt) Urmil Arora relinquished charge of the post of Dental Surgeon under the Central Govt. Health Scheme on the afternoon 30th June, 1979.

S. L. KUTH(ALA),
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd August 1979

No. A.19025/121/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Durga Prasad has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Jaipur with effect from the 30th June, 1979 (FN) until further orders.

No. A-19026/1/79-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri C. D. Batra, Administrative Officer, retired from Government service w.e.f. the afternoon of 31st July, 1979.

B. L. MANIWAR
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the July 6th 1979

No. 5/1/79-Estt-II/2582.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Sanjiva Govinda Sapaliga a permanent Upper Division Clerk to officiate as

an officer in the Assistant Administrative Officer's Grade (Rs. 650-960) in the Bhabha Atomic Research Centre, with effect from the forenoon of May 9, 1979 until further orders.

No. 5/1/79-Estt.II/2583.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Vadaseril Arapparampil Vijayan Menon a permanent Assistant to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's Grade (Rs. 650-960) in the Bhabha Atomic Research Centre, with effect from the forenoon of June 2, 1979 until further orders.

V. M. KHATU,
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 27th July 1979

No. P/1115/Ele/Estt.I/3616.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri D. M. Power a permanent scientific Asstt. (B) and officiating Scientific Officer (SB) in the same Research Centre with effect from 10.5.1979 AN.

KUM. H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 4th August 1979

No. NAPP/Adm/1(140)/79-S/8926.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri P. M. L. Nambiar a permanent Foreman in PPED and officiating Scientific Officer/Engineer grade-SB in the Rajasthan Atomic Power Project to Officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Project with effect from the forenoon of July 11, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer,
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600 006, the 21st July 1979

No. MRPU/200(18)/79-Admin.—The Director, Directorate of Purpose and Stores appoints Shri B. Dhandapani, Storekeeper, MAPP Stores Unit as Assistant Stores Officer in the same Unit in an officiating capacity, with effect from the forenoon of June 11, 1979 till July 25, 1979.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the July 12th 1979

No. 10/5(20)/78-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division of the Department of Space is pleased to promote Shri C. Balasundaram, Draughtsman-'E' of the Civil Engineering Division of the Department of Space to the post of Engineer-SB with effect from the afternoon of 31st March, 1979 in an officiating capacity and until further orders.

H. S. RAMA DAS
Administrative Officer-I

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th August 1979

No. A32013/19/79-VE.—The President is pleased to re-employ Air Marshal Jafar Zaheer, PVSM, AVSM, a retired officer of Indian Air Force as Director General of Civil Aviation for a period of two years with effect from the 1st July, 1979 upto the 30th June, 1981.

S. EKAMBARAN
Dy. Secy.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st July, 1979

No. A.32014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. S. Khurana, Technical Assistant, A.C.S., Bhubaneswar to the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from 26-3-79 (FN) and to post him in the office of the Officer-in-charge, A. C. S., Kud.

H. L. KOHLI
Director of Administration.

New Delhi, the 31st July 1979

No. A.32014/1/78-FS.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Bhajan Lal, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B' post) on regular basis in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras, with effect from the forenoon of the 16th July, 1979 until further orders.

S. L. KHANPUR
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 26th July, 1979

No. A. 35018/6/79-E.I.—The President is pleased to appoint on deputation, Shri K. K. Nagar, an officer of Intelligence Bureau, to the post of Assistant Director (Pay Scale : Rs. 1200-1800 plus Rs. 300/- Special Pay per month) in the Civil Aviation Security organisation of the Civil Aviation Department with effect from 20-7-1979 Forenoon for a period of one year.

The 30th July 1979

A-31013/1/77-FA.—The President has been pleased to appoint the following Officers in a substantive capacity in the grade of Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department with effect from 4th June, 1979.

| S. No. | Name |
|-----------|-------------------------|
| 1 | 2 |
| 1. | Shri K. Ganapathi Iyer. |
| 2. | Shri P.C. Vyas. |
| 3. | Shri P.C. Varghese. |
| 4. | Shri K.V.P. Iyengar. |
| 5. | Shri V.G. Karnad. |
| 6. | Shri T.S.N. Rao. |
| 7. | Shri B.M. Roy. |
| 8. | Shri S. Bhatt. |
| 9. | Shri R.N. Bhatnagar. |
| 10. | Shri K.N. Bahl. |
| 11. | Shri K.C. Duggal. |
| 12. | Shri I.M. Tuli. |
| 13. | Shri V.V. Bagga. |
| 14. | Shri R.J. Yuvraj. |
| 15. | Shri M.K. Das. |
| 16. | Shri M.S.G.K. Warrier. |
| 17. | Shri P.K. Biswas. |
| 18. | Shri D.N. Gupta. |
| 19. | Shri P.I.C. Vidyasagar. |
| 20. | Shri G. Sarkar. |
| 21. | Shri Panna Lal. |
| 22. | Shri C.S. Mech. |
| 23. | Shri R.S. Sidhu. |
| 24. | Shri J.K. Saha. |
| 25. | Shri N.K. Tripathi. |
| 26. | Shri B.K. Rajak. |
| 27. | Shri H.S. Roy. |
| 28. | Shri V. Rajaram. |
| 29. | Shri S.M. Dss. |

| 1 | 2 |
|-----------------------------|---|
| 30. Shri S.L. Sabharwal. | |
| 31. Shri Jagan Nath. | |
| 32. Shri G.S. Budal. | |
| 33. Shri Chanan Singh. | |
| 34. Shri H.W. Ambler. | |
| 35. Shri Kirpa Shankar. | |
| 36. Shri N.M. Bakshi. | |
| 37. Shri N.N. Nair. | |
| 38. Shri J.N. Singh. | |
| 39. Shri K.P. V. Menon. | |
| 40. Shri S.C. Joshi. | |
| 41. Shri A. Krishnamoorthy. | |
| 42. Shri V.K. Rangan. | |
| 43. Shri J.C. Parti. | |
| 44. Shri D.V.K. Rao. | |
| 45. Shri R.K. Sareen. | |
| 46. Shri M.M. Saini. | |
| 47. Shri S. Mahalingam. | |
| 48. Shri M.N. K. Menon. | |
| 49. Shri P.S. Gujral. | |
| 50. Shri A.C. John. | |
| 51. Shri R. Krishnamoorthy. | |

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 1st August, 1979

No. A.32013/8/79-EC.—The President is pleased to appoint the following three Asstt. Technical Officers to the Grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier with effect from the date and station indicated against each:—

| S. No. | Name | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge. |
|-----------|--------------------|--|--|--------------------------------------|
| 1. | Shri M. L. Dhar | Central Radio Stores Depot, New Delhi. | Central Radio Stores Depot, New Delhi. | 30-6-79 (FN) |
| 2. | Shri S.D. Bansal | ACS, New Delhi. | Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi. | 30-6-79 (FN) |
| 3. | Shri K. Rangachari | ACS, Madras. | ACS Madras. | 7-7-79 (FN) |

GIRDHAR GOPAL,
Assistant Director of Administration

OVERSFAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd August 1979

No.1/311/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 1-5-79 to 30-6-79, against a short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/365/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. P. Bhardwaj, Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 3rd May 1979 and until further orders.

No. 1/100/79-EST.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri N. G. Rajan, permanent Assistant Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay, as Administrative

Officer, in an officiating capacity, on a regular basis in the same office, with effect from the forenoon of the 2nd July, 1979 and until further orders.

H. L. MALHOTRA,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR CENTRAL
EXCISE & CUSTOMS

Bhubaneswar, the 31st May 1979

No. 5/79.—On promotion, Shri Sarat Chandra Rath, Inspector (SG) Central Excise & Customs has assumed charge as Superintendent of Central Excise & Customs, Group 'B' at Sambalpur in Sambalpur Division in the afternoon of 27-3-1979.

H. VUMKHAWTHANG
Collector
Central Excise & Customs

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st August 1979

No. 23/2/77-EC II:—The following officers of Central Public Works Department have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st July, 1979 (A.N.)

| Name of Officer | Present Designation |
|------------------------|--|
| (1) Shri A. P. Sathaye | Superintending Engineer (Vigilance) C. O., CPWD, New Delhi. |
| (2) Shri K. C. Kaku | Surveyor of Works, Bombay, Central Circle No. I, CPWD, Bombay. |

2. Shri P. P. Goyal Surveyor of Works (Elect.), Delhi Central Elect. Circle No. VI, CPWD, New Delhi has retired from service with effect from 17-7-79 (AN) on acceptance of his notice of voluntary retirement.

B. R. RATTU,
Dy. Director of Admn.
for Director General (Works.)

New Delhi, the 31st July 1979

No. 1/164/69-ECIX.—Shri P. S. Kataria, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st July, 1979. (AN).

The 2nd August 1979

No. 24(28)/69-MSII/ECV.—Shri P. C. Raizada, Labour Officer of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st July, 1979. (AN).

No. 33/12/73-ECIX.—The president is pleased to appoint Shri Krishan Kumar a nominee of the UPSC against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 1102/- P.M. in the scale of Rs. 1100-50-1600 (plus usual allowances) with effect from 2-7-79 (FN) on the usual term and conditions.

2. Shri Krishan Kumar is placed on probation for period of two years with effect from 2-7-79 (FN).

KRISHNA KANT
Dy. Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi 22, the 31st July, 1979

No. 6/2/79-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/ Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders :

| Sl. No. | Name | Date of appointment |
|------------|-------------------------------------|------------------------|
| 1. | Shri V. K. Chadha | 10-7-79 |
| 2. | Shri K. K. Bhattacharya-1 | 25-6-79 |
| 3. | Shri A. K. Sethi | 10-7-79 |
| 4. | Shri Dharam Singh | 16-7-79 |
| 5. | Shri Lal Singh | 16-7-79 |

S. BISWAS
Under Secy.

MNISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kay Sales Private Ltd.

Bangalore, the 5th July 1979

No. 1665/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kay Sales Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Dharam Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 5th July 1979

No. 1793/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dharam Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ray Bahadur S. V. Govindarajan Brothers and
Company Private Ltd.

Bangalore, the 5th July 1979

No. 563/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ray Bahadur S. V. Govindarajan Brothers and Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vijayanagar Mine Owners Assn Private Ltd.

Bangalore, the 5th July 1979

No. 1435/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Vijayanagar Mine Owners Assn Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sri Krishna Agencies Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 1227/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kunj Allah, Exports Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sharan Basaweshwar Dairy and Farms Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2129/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sharan Basaweshwar Dairy and Farms Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sri Gayathri Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 1647/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Gayathri Chit Funds Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhawani Hosieries Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 587/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bhawani Hosieries Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
R.M.D.C. (Mysore) Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 580/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of R.M.D.C. (Mysore) Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bakthi Trading and Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2090/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bakthi Trading and Chit Funds Private Ltd has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nisti Farm and Farm Aids Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2130/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Nisti Farm and Farm Aids Private Ltd, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

15-206GT/79

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kunj Allah Exports Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2146/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kunj Allah Exports private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ladwa's Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 469/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ladwa's Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
S. N. Hot Coll Springs Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2666/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of S. N. Hot Coll Springs Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ultra Metal Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 1763/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ultra Metal Industries Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chamarajanagar Sugar Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 1596/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chamarajanagar Sugar Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jahagiradar Estate Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2128/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jahagiradar Estate Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dunturkar Brothers and Company Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 1291/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dunturkar Brothers and Company Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Arunodhaya Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 1770/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arunodhaya Chit Fund Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Indad Private Limited*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2211/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Indad Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sathy Oil Extractors Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2682/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sathy Oil Extractors Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Padua Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2565/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Padua Chemicals Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
D.B.M. Pulp Products Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2487/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of D.B.M. Pulp Products Industries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Vinayaka Automobiles Private Ltd.*

Bangalore, the 19th July 1979

No. 2672/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vinayaka Automobiles Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Prema Kumari Chit Funds and Trading Company
Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 19th July 1979

No. 2328/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Prema Kumari Chit Funds & Trading Company Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bala Sahitya Mandala Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 19th July 1979

No. 1056/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bala Sahitya Mandala Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Tiptur Mitra Trading Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 19th July 1979

No. 1945/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tiptur Mitra Trading Chit Funds Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Canara Agro Industries Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 19th July 1979

No. 3053/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Canara Agro Industries Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pullikkal Trading and Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 1962/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pullikkal Trading and Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Arul Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 1993/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arul Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Coorg Evergreen Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2301/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Coorg Evergreen Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Prestige Crown Cork Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2230/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Prestige Crown Cork Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
West Coast Forest Trust Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 1271/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of West Coast Forest Trust Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Merry Land Financiers and Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 1852/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Merry Land Financiers & Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Unique Tools Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2775/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Unique Tools Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
E. G. Paul Electronics Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2231/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of E. G. Paul Electronics Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sangham Agencies Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2495/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sangham Agencies Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mateon's Engineering Company Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2933/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mateon's Engineering Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Industrial Agents Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 418/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Industrial Agents Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dada Rice, Flour & Oil Mills Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 1447/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dada Rice, Flour & Oil Mills Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Flawles Chemicals Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2483/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Flawles Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kamath & Company Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 1145/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kamath & Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Primex Motor Company Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 1764/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Primex Motor Company Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Hotel Saresh Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 21st July 1979

No. 2363/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hotel Saresh Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI,
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Nandlal Koppers Limited*

Cuttack, the 23rd July 1979

No. S.O. 463/1916(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Nandlal Koppers Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Orissa Savings and Finance Company Private Ltd.*

No. SO/738-1976(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Orissa Savings and Finance Company Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bright Future Finance (Chit) and Trading Company
Private Limited*

Cuttack, the 28th July 1979

No. SO/741-1979(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bright Future Finance (Chit) and Trading Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Canara Finance and Trading Company Private Limited*

Cuttack, the 28th July 1979

No. SO/739-1980(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Canara Finance and Trading Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Hirakhand Enterprisers Private Limited*

Cuttack, the 28th July 1979

No. SO/512-1983(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hirakhand Enterprisers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jagannath Minerals Private Limited*

Cuttack, the 28th July 1979

No. SO/683-1985(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jagannath Minerals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 25th July 1979

No. F.48-Ad(AT)/79.—1. Shri Y. Balasubramaniam, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1978. P.II dated 30th March, 1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-6-1979 to

31-8-1979, or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri Y. Balasubramaniam, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979, vide this office Notification No. F.42-Ad(AT)/1978.P.II dated 30th March, 1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri Niranjan Dass, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad-hoc* basis for a period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979, vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1978.P.II, dated 30th March, 1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar, on *ad-hoc* basis for a further period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri Niranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

4. Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis for a period of three months from 1-3-1979 to 31-5-1979, vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1978.P.II, dated 30th March, 1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis for a further period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad-hoc* and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad-hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR
PRESIDENT
Income-tax Appellate Tribunal

FORM ITNS

(1) Shri Bhim Sen Bahal, s/o Shri Takhat Ram Bahal,
r/o 23, Saraswati, Soni Marg, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pramod Kumar Jain, s/o Shri Kiran Chandra Jain, r/o 79, Tilak Road, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acq/405-A/DDun/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra dun on 13-11-1978 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 23, Saraswati, situated at Soni Marg, Dehra Dun, transferred for an apparent consideration of Rs. 51,000/- fair market value of which exceeds more than more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Lal, s/o Shri Nihal, r/o 103/208, Colonelganj, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETAX.
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Ref. No. Acq/456-A/KNP/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 118/272, situated at Kaushalpuri, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-, fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Santosh Anand, W/o Shri D. N. Anand,
r/o A-12, Naraina Vihar, New Delhi-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Vinod Shekri and
(2) Pramod Shekri, r/o I-A, Race Course,
Dehra Dun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/503-A/DDun/78-79 —Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 15-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1382.35 sq. metres, situated at Laxman Model Town, Dehra Dun, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/- fair market value of which exceeds more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dat : 18-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Balbir Singh, s/o Shri Hardeo Singh, r/o Khalidpur, Parg. Hastinapur, Tehsil : Mowana Distt. Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th June 1979

Ref. No. Acq/627-A/Meerut/78 79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mowana on 23-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Sudeshpal, (2) Jit Singh, s/o Shri Sant Singh, (3) Chopal Singh, and (4) Dharampal Singh, s/o Shri Phool, Singh, r/o Khalidpur, Parg. Hastinapur, Teh : Mowana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bigha 2 biswa situated at Vill. Khalidpur, Parg. Hastinapur, Teh. Mowana, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 71,000/- fair, market value of which is more than 15% thereof.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 19-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Santosh Sharma d/o Shyam Lal Sharma
w/o Mahesh Chandra, Surj Kund Road, Meerut.
(Transferor)

(2) Smt. Manju Saxena w/o Ajai Kumar Saxena
C-7 Sector No. 23 Lawrence Road, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 476-A/PN-G.Bd.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 28-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Ashoknagar, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 86,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
—206 H/79

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Vidyawati w/o Shyam Singh
r/o Khatauli Teh. Jansath Distt. Muzaffarnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 490-A/M.Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House property situated at Khatuali Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 56,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sarkar Bahadur Gurha s/o Shri Bhola Nath Gurha r/o Etah at present Aryanagar, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Anand Prakash Jain s/o Gurdyal Ji Jain r/o Mainganj, Etah Parg. Etah Sakti Distt. Etah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 537/Acq./Etah/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 16-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property, No. 822, 823, 824 and 825 situated at Mehta Road, Etah sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 6th July 1979

Ref. No. 548/Acq/Mathura/78-79. -- Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 6-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. C. Chehi s/o H. M. Chehi
r/o Gokhley Rd, Vijakapatnam (Andhra) as Mukhtar of Smt. Padma Raji Chehi w/o R. C. Chehi
r/o Gokhley Road, Vijakapatnam,

(Transferor)

(2) Smt. Satya Devi w/o Sri Sohan Lal. Smt. Urmila Devi w/o Parshotam Chandi
r/o H. No. 5 Roshan Ganj, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property No. 1431 measuring 585.36 sq. metres situated at Chaukibagh, Bahadur Singh Road, Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bhagwati w/o Sri Ratan Singh Hyagi
r/o Vill. Punden Post Kota Pargana Haroda
Distt. Saharanpur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sardar Milkiat Singh s/o S. Varyam Singh, S. Nirmal Singh, S. Baldeo Singh, S. Jaswant Singh sons of Milkiat Singh, Kultarni Singh, Dayal Singh minor sons of S. Milkiat Singh r/o Vill. Dayalpur Post Khas Tahsil Phirore Distt. Jullundur (Punjab).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 576/Acq./Saharanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur on 13-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or aversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property measuring 33 Bigha situated at vill. Punden Parg. Haroda Tah. & Distt. Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR
Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. F. No. 706 Acq/Kannauj/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

... more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kannauj on 25-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shivratna Lal, Suresh Chand, Ganesh Chand sons of Banwari Lal Mohalla Patkana Pst. Kannauj Parg. & Teh. Kannauj Distt. Farukhabad.
(Transferor)

(2) Shri Mohd. Ismail, Johrun Ismail r/o Moh. Hajiganj, Parg. Tah. & Post Kannauj Distt. Farukhabad.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 275 measuring four Acre six decimal situated at Kandarauli sold for an apparent consideration of Rs. 26,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 715/Acq./Saharanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 20-11-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Om Prakash s/o Nand Lal r/o Kishanpura, Saharanpur, at present residing at 428 Begumbagh, Meerut. (Transferor)

(2) Shri Shyam Das Miglani s/o Sri Bhagwan Das Miglani r/o Kishanpura, Saharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 14/1352 Mohd. Kishanpura Maruf, Lajpatnagar, Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 724/Acq./Kol/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Aligarh on 29-11-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Nath s/o Sri Hardeo Pd., Smt. Daurauthi Amarnath Pd. w/o Sri Amarnath Pd. r/o Banna Devi Distt. Kol. Aligarh.

(2) Shri Diamond Faibush s/o Sri K. G. Faibush, Smt. Jatin Diamond Faibush w/o Sri Diamond Faibush r/o Banna Devi Shahar Kol. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property No. 5/164 situated at Isapur Colony, Banna Devi Shahar Kol Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Lal Mehta s/o Sri Kishan Gopal
r/o Punjab Market Kasba Hathras Distt. Aligarh at
present residing at Radhanagar, Mathura.
(Transferor)

(2) Shri Samudra Singh s/o Ummid Singh.
r/o Radhanagar, Mathura.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 725/Acq./Mathura/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 16-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immoveable property No. 10-A situated at Radhanagar, Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 47,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
17—206GI/79

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghunath Singh s/o Kallu Singh r/o House No. 117/88B Kakadeo, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mahadev Shukla s/o Kali Charan Shukla r/o Vill. Maheshbhari Parg. & Distt. Gonda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 740/Acq.Kpr.78-79.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 12-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immoveable property No. 117/88 B Purana Kakadeo, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 26,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Muslim Khan s/o Yusuf Khan etc.
r/o Hajiganj Kasba Kannauj Distt. Farrukhabad.
(Transferor)

(2) Shri Abdul Majid Siddiqi s/o Babu Miyan r/o
91/293 Readymade Market Bekanganj, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 752/Acq/Kpr./78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immoveable property No. 88/502-A (236/243 part) measuring 395 sq. yd. situated in Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 44,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narendra Kumar s/o Sultan Singh, Smt. Shilvati w/o Sultan Singh r/o Vill. Jassawala Parg. Pachwa, Distt. Dehra Dun.

(Transferor)

(2) Shri Jishan Ahmad s/o Rizvan Ahmad r/o Chauk Faroshan Distt. Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 55/Acq./Dehra Dun/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immoveable property No. 3957 measuring 2.82 Acre situated at vill. West Hopic Town, Pachwa Distt. Dehra Dun sold for an apparent consideration of Rs. 26,640/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-7-1979
Seal : .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 856/Acq./Dehra Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narendra Kumar s/o Sultan Singh, Smt. Shilvati w/o Sultan Singh r/o Vill. Jassawala Parg. Pachyadun Distt. Dehra Dun,

(Transferor)

(2) Km. Badrey Munir and Km. Arsey Munir d/o Sri Rijvan Ahmad r/o Chauk Farosan, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property No. 3957 measuring four acre situated at West Hope Town Pachwa Distt. Dehra Dun sold for an apparent consideration of Rs. 37,800/-.

B. C. CHATURVEDI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri L. J. Jahson, V. E. Johnson r/o Main Road White field Bangalore South Taluk, Karnataka, (Transferor)

(2) Dr. Amala Chaudhari r/o 186 Rajpur Road, Dehra Dun, Sri Amal Chaudhary through Vasant College Poudh Kipsi, New York present address 186 Rajpur Road, Dehra Dun. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. F. No. 858/Acq./Dehra Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehra Dun on 17-11-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property No. 186 situated at Rajpur Road, Dehra Dun sold for an apparent consideration of Rs. 125,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Satan Uif Sultan w/o Jagannath
r/o Vill. Inghata Post Khas Parg. Sumnerpur Tah. &
Distt. Hamirpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1979

Ref. No. 1209/Acq./Hamirpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ring Road, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hamirpur on 22-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property No. 818 situated at vill. Dangohata Parg. Sumnerpur Tah. & Distt. Hamirpur sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Omprakash Poddar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Tarun Kumar Guha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
OFFICE OF THE IAC, ACQ. R. IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-11/Acq.R-IV/Cnl/79-80.—Whereas I, S. K. DAS GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 243 situated at Block-A, Lake Town, Mouza Patipukur, Dist. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 5 Chittaks situated at plot No. 243 in block A, Lake Town, Mouza Patipukur, Dist. 24-Parganas, more particularly as per deed No. 5329 for the year 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DAS GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV, 54, Rafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Prabir Kumar Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bibhuti Bhushan Roy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE IAC, ACQ. R. IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Ref. No. AC-31/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 74 (old No. 64) situated at B. T. Road, Calcutta-56, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 20-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1 share of land measuring 7 cottahs 1 chittak and 15 sft situated at 74 (old No. 64) B. T. Road, Calcutta-56, more particularly as per deed No. 6261 of 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—206GI/79

Date : 15-6-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Pratap Kumar Roy.

(Transferor)

(2) Sri Bibhuti Bhusan Roy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Ref. No. 32/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74 (old No. 64) situated at B. T. Road, Belgharia, Calcutta-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided $\frac{1}{4}$ share of land measuring 7 cottahs 1 chittak 15 sft situated at 74 (old No. 64), B. T. Road, P. S. Belgharia, Calcutta-56, more particularly as per deed No. 6262 of 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-6-1979,

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Bijoy Dutta and Smt. Kalpana Dutta,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chhaya Neer Apartment Owner's Society,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-33/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26 & 26A situated at Gariahat Road (South), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 7-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 3 chittaks and 17 sft situated at 26 & 26A, Gariahat Road (South), Calcutta, more particularly as per deed No. 4058 of 1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, IV,
Calcutta.

Date : 15-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sri Prasanta Chatterjee,
Sri Susanta Chatterjee and
Smt. Arpita Mukherjee

(Transferors)

(2) Smt. Lakshmi Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 15th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AC-34/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26 & 26A situated at Abinash Banerjee Lane P. E. Sibpur, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 13-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 3 sft. situated at 95/3, Abinash Banerjee Lane, P.S. Sibpur, Howrah, more particularly as per deed No. 2337 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kanaklata Dey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jayanta Kumar Saha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Ref. No. AC-35/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 317 situated at C.I.T. Scheme No. VIM (Ramkrishna Samadhi Road), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided $\frac{1}{2}$ share of land measuring 4 cattans 11 chittaks and 2 sft. situated at Plot No. 317, C.I.T. Scheme No. VIM, (Ramkrishna Samadhi Road) Holding No. 10 and 375, P. S. Belgharia, District 24-Parganas, more particularly as per deed No. 5423 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 15-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

Smt. Kanaklata Dey

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Sibsankar Saha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th June 1979

Ref. No. AC-36/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 317, situated at C. I. T. Scheme no. VIM (Ramkrishna Samadhi Road)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27.11.1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided $\frac{1}{4}$ share of land measuring 4 cottahs 11 chittaks and 2 sft situated at Plot No. 317, C. I. T. Scheme No. VIM (Ramkrishna Samadhi Road,) Holding No. 10 & 375, P. S. Belghata, District : 24-Parganas, more particularly as per deed no. 5424 of 1978.

S. K. DASGUPTA,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1979,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pramatha Nath Dutta 22, Karl Marx Sarani,

Calcutta-23.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dependable Industries (P) Ltd., 629, Diamond Harbour Road, P. S. Behala, Cal-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1979

Objections, if any to the acquisition of the **said** property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the **said** immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the **said** Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Ac-9/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 69 situated at Diamond Harbour Road, P. O. Ekbalpur, Cal-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas on 24-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the **said** Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the **said** Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the **said** Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the **said** Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 4-Kattas, 1-chittak & 40-sq.ft. with one storeyed building being premises No. 69, Diamond Harbour Road, P. S. Ekbalpor, Ca-23.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, 54, Raffi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 26-6-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pramatha Nath Dutta 22, Karl Marx Sarani, Cal-23.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Sm. Sabita Burdhan, 6/1, Sita Nath Rd., Cal-6, (2) Sm. Amita Debi, 56, Ashoka Avenue, Cal-40, (3) Sri Ram Narayan Bose, 67B, Durga Charan Mitra Street, Cal-6 & (4) Sri Tarapada Dey, 77, Kailash Bose Street, Cal-6, partners of M/s. Betabyne Associates, 69, D. H. Rd., Cal-23. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 26th June 1979

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 69 situated at Diamond Harbour Road, P. O. Ekbalpur, Cal-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar, 24-Parganas, Alipore, on 24-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4-kattas, 1-chittak & 28sq.ft, with structures being premises No. 69, Diamond Harbour Road, P.S. Ekbalpore, Cal-23.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, 54, Raff Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 26-6-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) (1) Sm. Gulkandî Debi Agrawal, (2) Sri Mohanlal Gogal of Jadavpur Station Rd., Cal-32, & (3) Sri Murarilal Gogal of K. S. Roy Rd., Jadavpore, Cal-32.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1979

Ref. No. Ac-11/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No., situated at Mouza Gobindapur, Maheshtala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipur on 28-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (1) Sri Ajit Kr. Ghosh, (2) Jamshed Ali Molla, & (3) Sankar Pain, Santoshpore, Maheshtala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2-bighas & 14-chittaks at Mouza Gobindapur, Maheshtala.

S. C. YADAV,
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, 54, Raffi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 26-6-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—206GI/79

FORM ITNS

(1) Shri Kiran Chandra Paul Santoshpur, P. S. Maheshtola.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1979

Rcf. No. Ac-12/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza Panchur, P. S. Maheshtola, 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrat, 24-Parganas, Alipore on 6-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Fieehold land being C. S. Plot Nos. 1726, 1726/2311 & 1726/2313 at Mouza Panchur, P. S. Maheshtola, Dist. 24-Parganas, with one storied building. Area = 18 cottahs, 12 chittaks & 42-sq.ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1979.
Seal :

FORM ITNS —

(1) Sri Paluriranga Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Laxmi Devi Goel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-700016

Calcutta, the 5th July 1979

Ref. No. AC-37/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122 situated at J. N. Mukherjee Road, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 16-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 5 chittaks 18 sft, 5 cottahs 5 chittaks 27 sft and 2 cottahs 2 chittaks with building situated at 122, J. N. Mukherjee Road, Ghusuri, P. S. Malipanchghora, Howrah, more particularly as, per deed Nos. 1667, 1668 and 1669 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 5-7-1979
Seal : .

FORM ITNS

(1) Smt. Bibhabati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sinclairs Hotel & Transportation Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-700016

Calcutta, the 12th July 1979

Ref. No. AC-38/Acq.R-JV/Cal/79-80.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 484 (Part) situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Shiliguri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shiliguri on 3-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1.00 acre situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Shiliguri, Dist., Darjeeling, more particularly as per deed No. 5474 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bibhabati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sinclairs Hotel & Transportation Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1979

Ref. No. AC-39/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I
S. K. DASGUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing
Dag No. 484 (Part) situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, District : Darjeeling,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 4-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.86 acre situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, District, Darjeeling, more particularly as per deed No. 5485 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 12-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Bibhabati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sinclairs Hotel & Transportation Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1979

Ref. No. AC-40/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 484 (Part) situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Shiliguri, Dist., Darjeeling, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shiliguri on 6-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.81 acre situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, District : Darjeeling, more particularly as per deed No. 5497 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 12-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Bibhabati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sinclairs Hotel & Transportation Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-41Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I
S. K. DASGUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 484 (Part) situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, Dist., Darjeeling,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 7-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.73 acre situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, District : Darjeeling, more particularly as per deed No. 5517 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bibhabai Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1979

Ref. No. AC-42/Acq. R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I
 S. K. DASGUPTA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Dag No. 484 (Part) situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, Dist., Darjeeling,
 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Siliguri on 8-11-1978,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piec and parcel of land measuring 0.53 acre situated at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, District : Darjeeling, more particularly as per deed No. 5533 of 1978.

S. K. DASGUPTA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 12-7-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bibhabati Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sinclairs Hotel & Transportation Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1979

Ref. No. AC-43/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I
S. K. DASGUPTA,
 being the competent authority under section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000 and bearing
 Dag No. 484 (Part) situated at Mouza Mandalaguri, P. S.
 Siliguri, Dist. Darjeeling,
 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering officer at
 Siliguri on 9-11-1978,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 marked value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has
 not been truly stated in the said instrument of transfer with
 the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—
 20—206GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.47 acre situated
 at Mouza Mandalaguri, P. S. Siliguri, District : Darjeeling,
 more particularly as per deed No. 5549 of 1978.

S. K. DASGUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 12-7-1979
 Seal :

FORM ITNS

1. M/s Royal Agencies, H. No. 15-2-305 at Siddiamber Bazar Hyderabad.
(Transferor)

2. Sri S. Guru, S/o N. Subramanyam, 278 Kilpauk garden Road, Madras.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC.No. 84/79-80.—Whereas, J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/A/6 situated at Ashok Market, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hyderabad on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi bearing M. No. 15-1-503/A/6 situated at Ashok market, Siddiamber bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4689/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. M/s. Rayal Agencies H. No. 15-2-111 at Siddiembazar Bazar, Hyderabad.
(Transferor)
2. Smt. S. Pattammal, W/o Sri N. Subramanyam, H. No. 278 at Klpuak garden Road, Madras.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC. No. 85/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/A/5 situated at Ashok Market Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgi bearing M. No. 15-1-503/A/5 situated at Ashok Market, Siddiembazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4705/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-7-1979
Scal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)
2. Mrs. K. Lingamamba, H. No. 1-1-230/21/A at Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC. No. 86/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 220 situated at 1/3rd portion Sagarview Building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Hyderabad on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. 220 (1/3rd portion) on 2nd floor of Sagar view building situated at Domalguda, Hyderabad M. No. 1-2-524/3 admeasuring 812 Sq. ft. registered vide Doc. No. 4821/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

1. M/s Swastic Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad.
(Transferor)

2. Smt. C. Bharathi Devi, H. No. 1-2-6 at Gaganmal Colony Domalguda, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC No. 87/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 220 situated at (1/3rd portion) Sagarview Building, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. 220 (1/3rd portion) admeasuring 812 Sq. ft. on 2nd floor of Sagar view Building, situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 4822/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS

1. M/s Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda
Hyderabad.
(Transferor)

2. Smt. Shyamala Rajeshwar, W/o Dr. Rajeshwar, H.
No. 1-8-519/8 at Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC.No. 88/79-80.—Whereas, I,
K. K. VEER,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 220 (1/3rd) situated at Sagarview Building Domalguda,
Hyderabad.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Hyderabad in November 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the esaid instrument of transfer with the
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 220 (1/3rd portion) admeasuring 812 Sq. ft.
on 2nd floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at
Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5197/78
in the office of the Joint-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
persons, namely :—

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Sri Gowthul Jepuri Nagappa, S/o Narasappa, H. No. 4/188 at 3rd road Ananthapur.
2. Sri R. Yellappa S/o Rudrappa R/o Kutnool-Town, (Transferor)

2. Sri M. Konda Reddy, S/o Bala Venkata Reddy, H. No. 7/21 at Court Road, Ananthapur.
2. G. Veeranpancyulu S/o G. Subbi Reddy, R/o Kadathurakuduru Villg. Ananthapur-Tq. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC.No. 89/79-80.—Whereas, I,
K. K. VEER,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Land in S. No. 670 situated at Narayanapuram Villg. Anan-
thapur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Ananthapur, in November, 1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 670 Acrs. 4.76 cents situated
at Narayanapuram village, Ananthapur, registered vide Document
No. 5052/78 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC No. 90/79-80.—Whereas, I, K. K. VEFR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/70 situated at 1st road Ananthapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ananthapur on November, 1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. R Rajamma
W/o Sri Roddam Hanumantha Rao,
1st Road, Ananthapur-Town,
Ananthapur.

(Transferor)

(2) Smt. Butta Komdamma
W/o late Konda Reddy,
Deverabonda Village,
Dhone-Tq. Kurnool Distt.
(present address : H. No. 2/70
1st Road Ananthapur)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Terraced house Door No. 2/70 at 1st Road Ananthapur-Town, Ananthapur, registered vide Doc. No. 5121/78 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

K. K. VEFR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Icharchi Bai,
W/o Sri Bhagwandas Motilal,
H. No. 581 at Balaram Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th July 1979

Ref. No. RAC No. 91/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. 4-1-414/A/2 situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad, on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
21—206GL/79

(2) Smt. N. Pitamber,
H. No. 4-1-414/A/2 at Troop Bazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house bearing M. No. 4-1-414/A/2 situated at Troop Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5061/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastik Builders,
H. No. 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC No. 92/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office 120 (1/3rd) situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Mrs. V. Sai Rekha,
H. No. 30-Venkataswara Colony,
Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 120 (1/3rd portion) 812 Sq. ft. in 1st floor of 1-2-524/3 Sagarview Building, Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5198/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Swastik Builders,
H. No. 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(2) Sri G. L. Mahajan,
S/o Sri Ramkrishen,
H. No. 40 at Ramgopalpet,
Secunderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 16th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC No. 93/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office No. 11 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 11 rear cellar admeasuring 374 Sq. ft. in Sagarview Building, situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 5199/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC. No. 94/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 7 situated at Sagarview building, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Hyderabad on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. Swastik Builders,
H. No. 1-2-524/3 at Domulguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss. Santosh Devi
D/o Sri J. Shankarlal Agarwal,
H. No. 15-1-53 at Osmangunj,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 7 in premises No. 1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad, admeasuring 393 Sq. ft. Sagarview Building, registered vide Document No. 4823/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastic Builders,
H. No. 1-2-524/3 at Domulguda,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss Salama Tayyaba,
D/o Mohd. Nooruddin,
H. No. 12-2-458/16 at Mehdipatnam,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 95/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. RC-5 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jt. Hyderabad on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. RC-5 in rear cellar 300 Sq. ft. Sagarview Building, M. No. 1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5016/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Swastic Builders,
H. No. 1-2-524/3 at Domalguda
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC No. 97/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1 & 2 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1 and 2 front cellar 452 Sq. ft. in Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 4824/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Swastik Builders,
H. No. 1-2-524/3 at Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kum. Sheetal Devi,
D/o Sri J. Shankarlal Agarwal,
H. No. 15-1-53 at Osmangunj,
Hyderabad-12.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC No. 96/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. RC 6 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. RC-6 admeasuring 387 St. ft. of Sagarview Building H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4825/78 in the Joint Sub Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dtd : 16-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co., at
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Aminul Mubeen,
H. No. 12-2-458/16 at Mchdipatnam,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC No. 98/79-80. —Whereas, I, K. K. VHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 43 situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Hyderabad on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 43 in Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 5015/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VHER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co., at
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD(2) Smt. Amtul Fatima,
H. No. 12-2-458/16 at Mehdipatnam,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC No. 99/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 45 in Chandarlok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 45 at Chandarlok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 5065/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—206GI/79

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co.,
111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri N. Suryanarayana Raju,
H. No. 1-1-300/1/A/1 at Ashok nagar,
Hyderabad-20.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC No. 100/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 204 & 205 situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 204 and 205 in 2nd floor of Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 4854/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Asma Amtul Azeem,
H. No. 12-2-458/16 at Mehdipatnam,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC No. 101/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 44 situated at Chandralok Complex, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1978

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. at Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 5014/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely :—

Date : 16-7-1979

Seal :

FORM ITNS

1, United Builders, H.No. 9-1-41 at Tabacco Bazzar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC.No. 102/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop. No. 34 situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in November-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Sri Anil Kumar, H.No. 5-9-22-41/B Adarshnagar Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 34 situated at Mahatmagandi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2782/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC. No. 103/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15-1-503/503/B3 & B4 of 1st floor Ashok market (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

1. M/s Royal Agencies, Represented by Managing partner Sri Ambarish N. Mehta, R/o Ramjee Pathange Building, Sultan Bazar, Hyderabad.
(Transferor)
2. M/s Deepak Road Lines, Regd. firm Represented by Sri Nitin Kumar, 15-1-503/B-3 and B4 at Ashok market, Pheelkhana, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mulgies bearing M.No. 15-1-503/B3 and B4 on the 1st floor of Ashok market, at Pheelkhana, Hyderabad, registered vide Document No. 5211/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC.No. 104/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-505 situated at Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sri B. V. Ramesh Reddy, 2. Sri B. V. Suresh Reddy, both residing at H.No. 10-2-320 at West Maredpally Secunderabad. (Old No. 200) (Transferor)

2. Dr. Hyder Ali, Kajani Hospital, at Nampally Station Road, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 5-8-505 admeasuring 1,377.93 Sq. Mts. situated at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 4653/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC.No. 105/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 69 is situated at 1-7-234-241 S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sri Bhushanlal Gulathi, H.No. 1-10-1/14 at Ashoknagar, Hyderabad. (Transferor)
2. Sri Ashfaq Ahmed Khan, H.No. 12-2-450/16 at Mehdipatnam, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 69 in premises no. 1-7-234-241 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 4832/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

1. Sri Mohan Kanda, I.A.S., Secretary to Govt. of Andhra Pradesh, Raj Bhavan, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC. No. 106/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 32 situated at Bakaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Hyderabad on November-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Sri Devulapally Venkata Satyanarayana Rao, S/o D. Radhakrishnamurthy, H.No. 3-6-718 at Himayatnagar, Hyderabad-29.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 32, 400 Sq. Yds. in P & T Employees, Cooperative Housing Society, at Hyderabad, registered vide Document No. 5214/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

1. Sri M. V. S. Chowdary, H.No. 7-1-68 at Amcerpet,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC.No. 107/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-8 to 18 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

2. M/s Colorama, H. No. 7-1-19 at Begumpet, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storied Building M. No. 7-1-19 and 11 Mulgies, (7-1-8 to 7-1-18) open land 2901.40 Sq. Mts. situated at Begumpet Hyderabad, registered vide Doc. No. 2908/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-7-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—206GI/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC. No. 108/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-215/26 situated at ground floor only, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) 1. S/Shri/Smt. M. Gangamma.
 2. M. Narasimha.
 3. M. Balraj.
 4. M. Prakash Rao.
 5. M. Govind Murali.
 6. M. Venkateshwar Rao.
 7. M. Harikrishna.
 8. M. Hanumant Rao.
 9. M. Shivashankar.
 Nos. 7 to 9 minors, Rep. by father Sri M. Narasimha No. 2 all residing at H. No. 1-8-215/26 at Lal Bahadur nagar Prederghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. R. Andulu, W/o R. Lakshman Rao, H. No. 2185 at Mahankali Street, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 1-8-215/26 (Ground floor of building Old No. 142/26) Lal Bahadurnagar, (Prederghast Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2890/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad, total area 314 Sq. Yds.

K. K. VEER
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-7-1979
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC. No. 109/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 206 & 207 situated at Chandralok Complex, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Sri N. Sri Vishnu Raju, (Minor) natural guardian Mr. N. K. P. Raju S/o Mr. N. S. Raju, H. No. 1-300/1/A/1 at Ashok Nagar, Hyderabad.
(Transferee)

(3) M/s The Andhra Cement, Co., Shop No. 206 & 207 at Chandralok Complex, 111-S.D. Road, Secunderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, and 207 in Second floor of Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 4855/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC. No. 110/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land 450 Sq. Yds. at Nayapul, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Syed Ali Jaffery, H. No. 22-7-430 at Purani Haveli, Hyderabad.
 (Transferor)

(2) Smt. Pushpa Bai W/o Sri Devkinandan, H. No. 22-7-443 at Charkaman, Hyderabad. (Shakhar Kotha).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 450.00 Sq. Yds. situated at Hyderi Market Nayapul, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1403/78 in the office of the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Syed Ali Jaffery, H. No. 22-7-430 Purani Hawali Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Devkinandan, H. No. 21-7-343 at Charkaman,
(Shakhar Kotha) Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th July 1979

Ref. No. RAC. No. 111/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Land 448 Sq. Yds. situated at Nayapool, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Doodhbowli in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 448 Sq. Yds. near Nayapul, Hyderabad, No. 3, registered vide Document No. 1404/78 in the office of the Sub-Registrar Doodhbowli, Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Gopikishan Upadhyaya, R/o Devi Road, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Manohari Devi, W/o B. Laxmikantha Reddy, R/o Hajipur, Village Banswada-Tq. Nizamabad Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 112/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 5-7-658 situated at Opposit to Railway Station, Nizamabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.C.C. Three storied building M. No. 5-7-658 at Opposit to Railway Station, Nizamabad, registered vide Doc. No. 5653/78 in the office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Gopikishen Upadhyaya S/o Ramchander Upadhyaya, R/o Devi Road, Nizamabad.
(Transferor)

(2) Smt. B. Manoheri Devi W/o B. Lakshminikanth Reddy, R/o Rajipur, Village, Banswada-Tq, Nizamabad Dist.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 113/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-7-658/1 situated at Opposit to Railway Station Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

R.C.C. 3 storeyed building M. No. 5-7-658/1 situated at Opposit to Railway Station Nizamabad, registered vide Doc. No. 757/79 in the office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 114/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-123 situated at West Marredpally, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri M. V. N. Prasad, 2. M. V. S. Sarma, 3. M. V. N. Sanjay, (Minor) Rep. by father and guardian No. 1 all residing at H. No. 27-43-3/2 at Mandapativari Street, Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Sri T. Deepak S/o late T. Babu Rao, 2. T. Amruth Rao, both residing at Plot No. 57 H. No. 10-2-230 at West Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Plot No. 62 premises M. No. 10-2-123 admeasuring 800 Sq. Yds situated at West Marredpally, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2735/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s United Builders, H. No. 139 at M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 115/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mulgi No. 36 situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 36 on the ground floor, premises No. 139 situated at M. G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2765/78 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—
24—206GI/79

Date : 18-7-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s United Builders, at 9-1-41 Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Naresh A. Lula, S/o Amaralal T. Lula, H. No. 1-8-264/22 at Sardarpatel Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 116/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 37 situated at M. G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 37 in premises No. 139 at M. G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2769/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s United Builders, office at 9-1-41 at Tobacco Bazar, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Smt. T. V. Syloja W/o T. Viswanatham, H. No. 298 Trimulgherry bazar, Secunderabad-15.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 117/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 35 situated at 139 M. G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 35 in the premises No. 139 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2772/78 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ragi Kumaraswamy, S/o Sri Laxmaiah, Business, Kareemnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 118/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4, situated at S. P. Road, Secunderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 4 in building No. 156 to 159 situated at Sudar Patel Road, Secunderabad, admeasuring 733.33 Sq.Yds. registered vide Doc. No. 2937/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raheema Khatoon, W/o Sri Mohammed Fazlur Reheem Khan, H. No. 43/70 at Narsimhaopet, Kurnool.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 119/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 3 4-841 situated at Barkatpura, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(2) Sri Amjadullah Khan and Smt. Samdani Begum, W/o Mohd. Khan, both residing at 117/1 Railway quarters, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 3-4-841 admeasuring 305.00 Sq. Yds. situated at Barkatpura Hyderabad, registered vide Doc. No. 4728/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 120/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Open land 230 Sq. Yds. situated at 3-6-102 Sahcdyar jung. lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), **has been transferred under the Registration Act, 1908** (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the **said instrument of transfer with the object of** :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability **of the transferor to pay tax under the said Act**, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri D. Gopala Krishna, 2. D. Yadagiri Jai Krishna, 3. D. Radhakrishna, 4. D. Ramakrishna, 5. Smt. D. Yellamma, 6. Smt. K. Kamala Bai, W/o K. Anjaiah, 7. Smt. T. Sarojini W/o Duddi Ram, 8. Kum. Indira, all residing at H. No. 1-2-337 Gagan-mahal Road, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sri R. Jyothiramaya S/o Sri Ramchandra H. No. 12-2-419/1 at Alapathinagar, Mchdipatnam, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later**;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days** from the date of the publication of this notice in the **Official Gazette**.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land of 230 Sq. Yds in M. No. 3-6-102 situated at Shaheed Yar Jung lane, Basheer bagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4891/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 121/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-102 and plot situated at Basheerbagh Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri
 1. D. Gopala Krishna.
 2. D. Yadagiri Jai Krishna.
 3. D. Radhakrishna.
 4. D. Ramakrishna.
 5. Smt. D. Yellamma.
 6. Smt. K. Kamala Bai.
 7. Smt. T. Sarojini.
 8. Kum. Indira.
 all residing at H. No. 1-2-337 Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. Shalini Dhage, W/o Anantha Kishan Dhage, H. No. 21-1-393 at Rikab Gunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building M. No. 3-6-102 situated at Shaheed Yar Jung lane, Basheerbagh, Hyderabad, admeasuring 250 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4955/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sri B. V. Suresh, S/o Sri Raghavender Rao, H. No. 5-8.52, Nampally Station Road, Hyderabad,
(Transferor)

(2) Smt. Sarala K. Ghodke, W/o Sri K. D. Ghodke, H. No. 3-4-759/1 at Barkatpura, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 122/78-79.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated Port. 3-4-759/1 Hyderabad Barkatpura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Hyderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 3-4-759/1 situated at Barkatpura, Hyderabad, admeasuring 139 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 5019/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Kumari-Kavita Devi, D/o Sri Satyanarayana Singh
H. No. 1-2-412/7 at Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. 123/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 1-8-556 situated in Chikkadpally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open Plot in M. No. 1-8-556 situated at Chikkadpally, Hyderabad, admeasuring 367 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5057/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Muzafar Jahan Begum, W/o Sri Hamid Ali Hastani H. No. 10-B-Class, at Agapura, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 124/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-5-132 situated at Tilak Road, Ramkote, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Mohammed Mujtaba Ali Khan, H. No. 3-5-141 at Ramkote, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-5-132 situated at Ramkote, Hyderabad, admeasuring 235 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 5177/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC. No. 125/70-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-231 situated at Kachiguda Station Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Hyderabad in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Sri Mukund Rao Chaudhari, R/o "Avanthi", Flat No. 9 at Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.
2. Jayant Rao, R/o Mahoor, Adalat Road, Aurangabad.
3. Akand Rao, R/o Aurangabad.
4. Vishwas Rao.
5. Chandrakant Rao, Aurangabad.
6. Dhananjai, R/o Aurangabad.
7. Smt. Radha Bai, R/o Aurangabad.
8. Smt. Mangala, R/o Hyderabad.
9. Smt. Lami.
10. Smt. Vinodhini.
11. Smt. Sarcjini.
12. Smt. Sanjeeveni R/o Maharashtra,

(Transferor)

- (2) 1. S/Sri C. Satyanarayan,
2. C. Balkishen,
3. C. Prabhulal,
4. C. Sainath,
5. C. Mahendarnath,
6. C. Amarnath,
7. C. Motinath,
8. C. Narendranath, all residing at H. No. 14-3-58 at Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and Open land M. No. 3-4-231, known as "GOKUL" situated at Mozamjahi Road, Hyderabad, Kachiguda, Station Road, admeasuring 2362 Sq. Yds, registered vide Doc. No. 4976/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 18-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. RAC. No. 126/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at 515 sq. Yds. Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Badrul Islam, 2. Mrs. Amatus-Subhan, both residing at H. No. 5-8-449 at Chiragali lane, Hyd. 3. Farceda Shehryar, R/o U.S.A., G.P.A., Vendor No. 1.

(Transferors)

(2) Sri. 1. Shahabuddin, R/o Ramgopalpet, Secunderabad, 2. Akbar Ali Murad Ali, R/o Bangalore, 3. Sulaiman, 4. Amin, both residing at 2-3-59/60 Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 515 Sq. Yds. on which H. No. 5-8-448 situated at Chiraga Ali lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4811/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Syed Turab Ali, 2. Syed Imdad Ali, 3. Syed Khasim Ali, all residing at Kamareddy, H. No. 1-5-16 -do-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. RAC No. 127/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-5-16 situated at Gunj Road, Kamareddy, NZB (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamareddy in November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Manchiryala Bhoomiah, S/o Venkiah, H. No. 1-4-15-B at Gunj Road, Kamareddy, Nizamabad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with open land bearing M. No. 1-5-16 and 1-5-17 total area 5812.6 Sq. feet situated at Kamareddy, Nizamabad Dist. registered vide Document No. 4961/78 in the office of the Sub-Registrar Kamareddy.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 19-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. G. Anasuya, W/o G. Venkataratnam, Plot No. 2 behind Mushi Beedi Co., Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. RAC. No. 128/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 97/1 situated at Adarshanagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 97/1 situated at Adarshanagar, Hyderabad, registered vide Document No. 4833/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sabera Sultana, D/o Mohd. Samiullah, H. No. 22-6-603 at Noor Khan Bazar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Gulam Mohd. Khan, S/o Dost Mohd. Khan, H. No. 13-1-110 at Mangalhot, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. RAC No. 129/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-190 to 196 situated at Bagh Nampally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-190 to 196 situated at Bagh Nampally Hyderabad, registered vide Doc. No. 5176/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 19-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Bulusu Suryanarayana, R/o U.S.A., G.P.A.
 Sri Bulusu Subrahmanyam Dutt, R/o Plot No. 12,
 S.B.H. Officers Colony, Saidabad, Hyderabad.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
 HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. RAC No. 130/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-8-933/E situated at Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Sri S. Parvatha Rao, 2, Smt. S. Lakshminatham, both residing at H. No. 16-8-933/E Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied building M. No. 16-8-933/E known as "LAKSHMI NILAYAM" situated at Nagarjunasagar Road, Malakpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 4949/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 19-7-1979.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sri T. Swastantra Kumar, R/o Warangal, 2, Sri J. Goutham Rao, S/o J. Raghupathi Rao, H. No. 3-5-170/C at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. RAC. No. 131/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot-A, in S. No. 166/21 Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on November 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sri A. Ramesh, R/o 2-1-514/5 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land No. A in survey No. 166/2 situated at Somajiguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 5200/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

26—206GI/79

Date : 19-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. Swatantra Kumar, R/o Warangal, 2, Sri J. Goutham Roa, H. No. 3-5-170/C at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Anasuya, H. No. 103/B at Vengalaonagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 132/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot-B in S. No. 166/2 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on November 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 166/2 situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 5201/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad office.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-7-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Syed Mohammed Zulqader Pasha, H. No. 16-10-33 at Old Malakpet, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Dr. Konthum Rama Rao, H. No. 16-3-688 at Chanchalguda, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDEABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 133/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Post. 16-10-33 situated at Old Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Portion of house M. No. 16-10-33 situated at Old Malakpet, Hyderabad, admeasuring 900 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 3048/78 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 19-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. RAC No. 134/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 128 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairatabad on November 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Devi Rani, w/o late Shri Narendra Pershad, 6-3-354, Panjagutta, Hyderabad.
(Transferor)

(2) (i) Mrs. Moin Pasha, w/o Mohd. Abdul Khaliq, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
(ii) Mrs. Laiqatunnisa, w/o Mohsin Ahmed Siddique, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
(iii) Syed Abdul Mutakkabir Saheb, s/o Syed Hidayatullah Saheb, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
(iv) Mohd. Faheemuddin Ahmed, s/o Mr. Ahmed Sherif, 11-5-454, Red Hills, Hyderabad.
(v) Mohd. Hafeezuddin, I.S. 25, Erramanzil, Hyderabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 916.22 sq. yds. bearing survey No. 128 situated at Masab Tank, Hyderabad registered in doc. No. 2921 of 1978 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 19-7-79.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th July 1979

Ref. No. RAC No. 135/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 128 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Prahlad Kishori, w/o Sri Vidya Sahar, 6-3-354, Panjagutta, Hyderabad.
(Transferor)

(2) (i) Mrs. Moin Pasha, w/o Mohd. Abdul Khaliq, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
(ii) Mrs. Liaqatunnisa, w/o Mohsin Ahmed Siddique, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
(iii) Syed Abdul Mutakkabir Saheb, s/o Syed Hidayatullah Saheb, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
(iv) Mohd. Faheemuddin Ahmed, s/o Mr. Ahmed Sherif, 11-5-454, Red Hills, Hyderabad.
(v) Mohd. Hafeezuddin, I.S. 25, Erramanzil, Hyderabad.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 597.77 sq. yds, bearing survey No. 128 situated at Masab Tank, Hyderabad registered in document No. 2922 of 1978 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 18-7-1979
Seal :

FORM ITNS

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(1) Shrimati Sumitra Rani, w/o Dharam Sagar, 6-3-354, Panjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (i) Mrs. Moin Pasha, w/o Mohd. Abdul Khalig, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
 (ii) Mrs. Liaqatunnisa, w/o Mohsin Ahmed Siddique, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
 (iii) Syed Abdul Mutakkabir Sahib, s/o Syed Hidayatullah Saheb, 12-2-837/5, Asifnagar, Hyderabad.
 (iv) Mohd. Faheemuddin Ahmed, s/o Mr. Ahmed Sherif, 11-5-454, Red Hills, Hyderabad.
 (v) Mohd. Hafeezuddin, I.S. 25, Erramanzil, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 19th July 1979

Ref. No. IAC. No. 136/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 128 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairatabad on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1099.55 sq. yds. bearing survey No. 128 situated at Masab Tank, Hyderabad, registered in document No. 2923 of 1978 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-7-79.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Partap Singh s/o Kishan Singh r/o Village Akbarpura S. Teh. Ahmedgarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vee Kay Oils (P) Ltd;
171-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 2nd August 1979

Ref. No. AMD/27/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 14 bighas 5 biswas situated at V. Akbarpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedgarh in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 5 biswas situated at V. Akbarpura S. Teh. Ahmedgarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1575 of November, 1978 of the Registering Officer, Ahmedgarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Gurparshad Trust Regd. Ludhiana through Shri Pritpal Singh Grewal s/o Joginder Singh Grewal, r/o Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ram Parkash s/o Lalu Mal r/o 87-Kennedy Avenue, Amritsar.
2. Shri Kewal Kant s/o Madan Lal c/o M/s. Lalu Mal & Sons, Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 2nd August 1979

Ref. No. LDH/129/78-79.—Whereas I. R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 1670 sq. yds. situated at Taraf Kara Bara, Gurdev Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1670 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3223 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2-8-1979
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Gurdev Singh s/o Shri Kishan Singh, R/o 65, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 2nd August 1979

Ref. No. CHD/246/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property No. 65, Sector 20-A, Chandigarh constructed over a free-hold plot measuring 151.67 sq. yards situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Sian Duta alias Sain Dass s/o Sh. Sidhu Ram, R/o 65, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri Umesh Kumar,
2. Shri Krishan Pal Gupta,
3. Shri Krishan Paul,
4. Shri Romesh Kumar,
5. Shri Shama and
6. Sh. Rajinder Paul, all
R/o 65, Sector 20-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed house property constructed over a free-hold plot measuring 151.67 sq. yards bearing No. 65, Sector 20-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 692 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2-8-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, 9-FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9.

Bhubaneshwar, the 9th August 1979

Ref. No. 81/79-80/IAC(A/R)BBSR.—Whereas, I, B. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 217 situated at Bapujinagar, Bhubaneshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Bhubaneshwar on 18-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

(1) Shri Dandapani Swain, Vill. and P.O. Gautami, P.S. Barhampur, Dt. Ganjam.

(Transferor)

(2) Shri M. Sailaja, D/o Shri M. Koramban, Plot No. 161 and 162 Bapujinagar, Bhubaneshwar.

(Transferee)

(3) Choice Bakery, Bhubaneshwar
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed building situated at Plot No. 217, Bapujinagar, Bhubaneshwar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneshwar and registered by Sale Document No. B/97/18-11-78.



B. MISRA,

Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhubaneshwar.

Dated : 9-8-1979

Seal :